



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 10, 1979 (फाल्गुन 19, 1900)
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 10, 1979 (PHALGUNA 19, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 जनवरी 1979

सं० ए० 32013/2/77-प्रश्ना० I—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, आकाशवाणी महानिदेशालय में सहायक योजना अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न अवर सचिव श्री बी० एन० वैद्यनाथन को संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियम 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के परन्तुक के अनुसार 19-1-79 के पूर्वाह्न से 18-4-79 तक अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए महर्षि नियुक्त करते हैं।

एम० बालचन्द्रन

अवर सचिव,

कृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 फरवरी 1979

शुद्धि-पत्र

सं० पी० 1878-प्रश्ना० I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 1-1-1979 की प्रथम पंक्ति में "स्थायी वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी II" शब्दों के स्थान पर

1-496GI78

(1877)

"स्थायी वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी II/ अस्थायी वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी I" शब्द पढ़े जाएं।

एम० बालचन्द्रन

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० ए० 11016/1/76-प्रश्ना० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री किशन सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 5-2-1979 से 31-3-1979 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. का० तथा प्र० सु० विभाग के का० शा० सं० 12/1/74-सी० ए० (I) दिनांक 11-12-75 की शर्तों के अनुसार श्री किशन सिंह रु० 75-प्रति माह विशेष वेतन लेंगे।

दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० पी० 174/प्रश्ना० III—दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान में बहिर्विभाग सेवा में सहायक प्रणामन अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तिन होकर श्री आर० जी० पुरंग ने 17 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया था।

एम० बालचन्द्रन

अवर सचिव

(प्रणामन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो,

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला

नई दिल्ली-110022, दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० 1-34/73-सी० एफ० एम० एल०/1012—न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, गुजरात अहमदाबाद में सहायक निदेशक (सीरम विज्ञान) नियुक्त होने के परिणामस्वरूप श्री पंकज कुमार चटर्जी को 29 जनवरी, 1979 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (सीरम विज्ञान) के पद के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

एस० के० झा
उप-निदेशक (प्र०)
सी० बी० आई

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 फरवरी 1979

सं० ए० 13021/1/78-प्रशासन—समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) गृह मंत्रालय, नई दिल्ली के श्री जे० पी० अग्रवाल, एक अस्थायी अतिरिक्त सहायक निदेशक तथा एक स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक का संघ लोक सेवा आयोग में प्रोग्रामर के पद पर चुने जाने के फलस्वरूप उन्हें 16-1-1979 के अपराह्न से कार्यभार से मुक्त कर दिया गया।

छत्रपति जोशी,
निदेशक,
पुलिस दूर-संचार

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली, 110001, दिनांक फरवरी 1979

सं० एफ० चार/तीन/1973-स्थापना (के० रि० पु० बल)—राष्ट्रपति, श्री के० केमवन, सहायक कमिंडेंट को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उप-पुलिस अधीक्षक के पद पर दिनांक 8-5-1973 से स्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

यह गृह मंत्रालय की सहमति द्वारा उनके अनौपचारिक संख्या 5748/78-पर्स-दो दिनांक 27-1-79 से जारी किया जाता है।

सं० ओ० दो०-1250/75-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री जगदीश सूर्यनारायण, उप-पुलिस अधीक्षक 56वीं वाहनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का त्यागपत्र दिनांक 25-10-1978 (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

ए० क० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो (राजभाषा विभाग)

नई दिल्ली-22, दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० 35-18/76-प्रशासन—द्वितीय श्रेणी विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो के सदस्य प्रशासन अधिकारी, श्री आनन्द प्रकाश का दिनांक

27-1-1979 पूर्वाह्न से केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो में प्रशासन अधिकारी के पद पर वेतनमान रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में, अगले आदेश जारी होने तक, अस्थायी नियमित रूप से नियुक्त किया जाता है।

राज कृष्ण बंसन
निदेशक

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1979

सं० डी० डी० पी० आर० एम०/040—केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थानापन्न अवर सचिव एवं स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री श्री निवास, निवर्तमान आयु होने पर 31 जनवरी 1979, अपराह्न, सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

श्रीमती चन्द्रमणी नारायणस्वामी
निदेशक

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1979

सं० प्रशा० 1/का० आ० सं० 550/5-5/78-79/2368—महालेखाकार महोदय इस कार्यालय के निम्नोक्त स्थायी अनुभाग अधिकारियों को 30 जनवरी, 1979 से आगे के आदेशों तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

क्र० सं० नाम

1. श्री सी० एल० अग्रवाल

कौ० टि० छाया

व० उप-महालेखाकार (प्र०)

श्रम मंत्रालय

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 7 मार्च 1979

सं० 23/3/79-सी० पी० आई०—जनवरी, 1979 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) दिसम्बर, 1978 के स्तर से तीन अंक घट कर 335 (तीन सौ बत्तीस) रहा है। जनवरी 1, 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 407 (चार सौ चार) बाता है।

त्रिभुवन सिंह
उप निदेशक

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,

महानिदेशालय, आर्डेनैन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 7 फरवरी 1979

सं० 3/79/ए/ई-I—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री शिवचन्द्र सरकार, मौलिक एवं स्थायी सहायक, अस्थायी ए०

एम० ओ० दिनांक 31-1-1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 4/79/ए०/ई०-I—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री तुलसी चरन दास, मौलिक एवं स्थायी सहायक, अस्थायी ए० एस० ओ० दिनांक 31-1-1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती,
ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रशासन
कृते महानिदेशक, आईनैन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 12 फरवरी 1979

सं० 4/जी/79—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-I के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं।

(1) श्री पी० सी० शिंगला, स्थायी ए डी० जी० ओ० एफ० / ग्रेड-II, 20 नवम्बर 78।

सं० 5/जी/79—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सिनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० / प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

(1) श्री के० के० सोधी, स्थायी उप-प्रबन्धक—पहली दिसम्बर, 1978

(2) श्री एम० तिवारी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक—पहली दिसम्बर, 1978

(3) श्री बी० कृष्णामूर्ति, स्थायी उप-प्रबन्धक—20 नवम्बर, 1978।

(4) श्री एम० के० बाधवन, स्थायी उप-प्रबन्धक—30 नवम्बर, 1978।

(5) श्री बलवीर सिंह, स्थायी उप-प्रबन्धक—20 नवम्बर, 1978।

(6) श्री बी० के० शर्मा, स्थायी उप-प्रबन्धक—20 नवम्बर, 1978।

(7) श्री ए० के० मिश्रा, स्थायी उप-प्रबन्धक—20 नवम्बर, 1978।

(8) श्री जी० कृष्णामूर्ति, स्थायी उप-प्रबन्धक—20 नवम्बर, 1978।

(9) श्री बी० के० सिंह, स्थायी उप-प्रबन्धक—20 नवम्बर, 1978।

(10) श्री के० सी० मुखर्जी, स्थायी डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०—20 नवम्बर, 1978

(11) श्री एस० आर० गुहाराय, स्थायी डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०—20 नवम्बर, 1978।

सं० 6/जी०/79—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० / डी० एम० के पद

पर उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

(1) श्री पी० पी० राव, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—पहली नवम्बर, 1978।

(2) श्री पी० सी० अरोरा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—पहली नवम्बर, 1978।

(3) श्री जी० आर० भट्ट, स्थानापन्न, सहायक प्रबन्धक—पहली नवम्बर, 1978।

(4) श्री ए० पी० तिपाठी, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—2री सितम्बर, 1978।

(5) श्री आर० एम० गुप्ता, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—2री सितम्बर, 1978।

(6) श्री एच० एस० पुन्दल, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—2री सितम्बर, 1978।

(7) श्री अशोक कुमार, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—2री सितम्बर, 1978।

(8) श्री एस० एस० खोट, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—पहली दिसम्बर, 1978।

(9) श्री मिसकीन हुसैन, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक—पहली दिसम्बर, 1978।

(10) डा० पी० के० सन्याल, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—2री सितम्बर, 1978।

(11) डा० ओ० पी० यादव, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—2री सितम्बर, 1978।

दिनांक 15 फरवरी 1979

सं० 7/79/जी—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर, श्री टी० एफ० देकुन्हा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31-12-78 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक, आईनैन्स फैक्टरियां

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० जूट(ए)/147/58—पटसन आयुक्त एतद्वारा श्री के० पी० दास, सहायक निदेशक (निर्यात) को श्री एस० राय के अवकाश पर चले जाने के फलस्वरूप दिनांक 22-1-79 (पूर्वाह्न) से 17-3-79 (अपराह्न) तक इस कार्यालय में एक तदर्थ स्थानापन्न सहायक निदेशक (विपणन) ग्रुप “ए” अधिकारी के रूप में रु० 700-40-900-द० रो०-40-1000-50-1300/- के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

के० के० बनर्जी,
प्रशासनिक अधिकारी

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० प्र०-1/1(982)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में महायक निदेशक (ग्रेड I) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए के ग्रेड III) श्री हरबंस लाल को दिनांक 3-2-79 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उप निदेशक, पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए के ग्रेड II) के रूप में इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1(113)/78—राष्ट्रपति, 1977 की इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित निम्नलिखित उम्मीदवारों को उनके नामा के सामने लिखी तारीखों से सहायक निदेशक ग्रेड-I (प्रशिक्षण आरक्षी) (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-II के रूप में नियुक्त करते हैं।

1. श्री दिनेश कुमार सिंह 1-2-1979(पूर्वाह्न)
2. श्री देवेन्द्र कुमार सिंह 1-2-1979(पूर्वाह्न)

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नागपुर, दिनांक 13 फरवरी 1979

सं० ए० 19012(24)/70-स्था० ए०—दिनांक 31 दिसम्बर 1978 (अपराह्न) को ऐच्छिक सेवा निवृत्ति होने पर श्री बी० पी० मलिक स्थायी सहायक प्रशासन अधिकारी को एतद्वारा 31 दिसम्बर 1978 के अपराह्न से भारतीय खान ब्यूरो में उनके कार्यभार से मुक्त किया जाता है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया जाता है।

एस० बालगोपाल
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1979

सं० 5(2)/69-एस-I—श्री एन० एन० ताये, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ जो 15-11-78 से 13-12-78 तक अवकाश पर थे, को तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, देहरादून में उनके जन संपर्क अधिकारी, ग्रेड-एक के रूप में नियुक्त हो जाने पर, वहां कार्यभार संभालने के लिए उनके अवकाश समाप्त हो जाने के उपरान्त, कार्यमुक्त किया जाता है।

सं० 4(20)/75-स्टाफ-I—अपने ही अनुरोध पर अपने मूल विभाग अर्थात् बरिष्ठ उप महलेखाकार, वाणिज्य, निर्मात्र कार्य और विविध कार्यालय, कलकत्ता में वापस आ जाने पर बरिष्ठ ग्रेड लेखा परीक्षक, श्री एस० के० माहा, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, ने 4 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) आकाशवाणी में कार्यक्रम निष्पादक के पद का कार्यभार छोड़ा। यह माना गया है कि उन्होंने उसी तिथि से आकाशवाणी में कार्यक्रम निष्पादक के पद से त्यागपत्र दे दिया है।

एम० एल० मधरवाल
अनुभाग अधिकारी
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 6(131)/63-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एन० वैकटरमन को आकाशवाणी मद्रास में 31-1-1979 से अग्रोत्तर आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

जनक राज लिखी
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

(श्रोतागण अनुसंधान एकक)

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० ए-12026/2/76-स्टाफ-पांच—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 2 दिसम्बर, 1976 तथा 19 दिसम्बर, 1978 के अनुवर्तन में, महानिदेशक आकाशवाणी, श्री पी० एल० शर्मा, बरिष्ठ अन्वेषक, केन्द्रीय माध्यमिकीय संगठन, नई दिल्ली को आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली से 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880-40-1000-२० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में दिनांक 1-1-1979 से 23-8-1979 तक की आगामी अवधि के लिये, श्री एन० पी० वारिया, माध्यमिकीय अधिकारी के स्थान पर, जो कोयला विभाग, ऊर्जा मंत्रालय, नई दिल्ली में प्रति नियुक्ति के आधार पर भेजे गये हैं, नियुक्त करते हैं।

बी० के० खुराना,
उप निदेशक श्रोतागण अनुसंधान
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० 2/1/62/मिडबन्दी-I—सेवा निवृत्ति की आयु होने के कारण श्री व्ही० जी० पत्की, स्थायी इन बिटवीन एनीमेटर,

फिल्म प्रभाग, बम्बई, दिनांक 31-1-1979 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

नरेन्द्र नाथ शर्मा
महायक प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

नई दिल्ली में आहारविद् के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शामलाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन (ओ० एण्ड एम०)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी, 1979

सं० ए० 32013/8/76-(एन० एम० ई०पी०)/प्रशासन-I—राष्ट्रीय भलेरिया उन्मूलन निदेशालय के उप निदेशक (एल० एण्ड ए०) का पद तथा इसके पदधारी का स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, में स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप उक्त पद पर काम कर रहे श्री ए० आर० निम ने 1 फरवरी, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में कार्यभार संभाल लिया है।

श० वा० ओक
निदेशक (प्रशासन व मनकता)

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1979

सं० ए० 12026/1/76-(एच० क्यू०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा के महानिदेशक ने श्री एन० सी० धवन को 12 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अस्थायी रूप से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में तकनीकी अधिकारी (चिकित्सा भंडार संगठन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 12026/23/77(एस० जे०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती अमिता कोचर को 4 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक मफदरजंग अस्पताल,

कृषि एवं मिर्चाई मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 13 फरवरी 1979

सं० ए० 19025/118/78-ए-III—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुतियों के आधार पर श्री एम० एस० बिम्बरा, वरिष्ठ रसायनज्ञ को इस निदेशालय में बंगलौर में स्थानापन्न महायक विपणन अधिकारी (वर्ग-III), पदोन्नत किया गया है।

बी० एल० मनिहार
प्रशासन निदेशक
कृते कृषि विपणन सलाहकार

वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 15 फरवरी 1979

सं० 4-5/71-प्र०—श्री टी० के० टी० एस० रामानुजाचार्युलु, ने अनुसंधान परियोजना 01-658-आर०, बर्थ कोर्ट के उत्तर-जीवी और नतीजे, पेडिआट्रिकल विभाग, मफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) को भारमुक्त होने के पश्चात् दिनांक 1 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण, देहरादून, के कार्यालय में सांख्यिकीय अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण किया है।

सी० एल० भाटिया
मुख्य समन्वयक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-4000 085, दिनांक 24 जनवरी, 1979

सं० 5/1/78-स्थापना II-/423—नियन्त्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम तथा पद	स्थानापन्न नियुक्ति	अवधि	
			से (पूर्वाह्न)	तक (अपराह्न)
1.	श्री बी० ए० बी० मेहन महायक	महायक कार्मिक अधिकारी	1-11-78	9-1-79
2.	श्री एम० जी० मणिलगा महायक	महायक कार्मिक अधिकारी	15-11-78	16-12-78
3.	श्री बी० नारायण राव , आणुलिपिक (वरिष्ठ)	महायक कार्मिक अधिकारी	20-11-78	30-12-78
4.	श्री पी० बी० कृष्णमूर्ति, आणुलिपिक (वरिष्ठ)	महायक कार्मिक अधिकारी	29-11-78	9-1-79
5.	श्री ए० के० कात्रे, महायक	महायक कार्मिक अधिकारी	27-11-78	30-12-78

45.	श्री भापी ई० आर०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	"	"	"
46.	श्री गुप्ता जी० एम० आर०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	"	"	"
47.	श्री जोण पीटर एम०	पी० एस० सी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० डी०	"	"	"
48.	श्री जोणसन सी०	पी० एस० एन०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	"	"	"
49.	श्री कृष्णन डी०	ई० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० डी०	"	"	"
50.	श्री कुरियन ए० जे०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	"	"	"
51.	श्री तरेशैया बाई०	आर० एस० आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	"	"	"

दिनांक 31 जनवरी, 1979

सं० जे-38/स्थापना-11/493—गृह मंत्रालय के दिनांक 28 अगस्त, 1977 के कार्यालय ज्ञापन सं० 25013/7/77-स्थापना (क) के उपबन्ध के अन्तर्गत, सरकारी सेवा से स्वेच्छिक निवृत्ति होने पर, इस अनुसंधान केन्द्र, में रु० 650-960 के वेतनमान में एक स्थाई सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री नटराजन जयरमन ने 20 जनवरी 1979 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एम० एम० राव
उप-स्थापना अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना

कोटा, दिनांक 15 फरवरी, 1979

सं० रापविप/04627/1(460)/प्रशा०/स्थल/471—
नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना, परमाणु ऊर्जा विभाग डाकखाना नरोरा (उत्तर प्रदेश) में स्थानान्तरण के फलस्वरूप इस परियोजना के स्थायीवत् वैज्ञानिक सहायक 'बी' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस बी श्री आर० एन० भारद्वाज, ने इस परियोजना में अपने पद का कार्यभार दिनांक 5 फरवरी, 1979 (अपराह्न) को छोड़ दिया है।

गोपाल सिंह
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 12 फरवरी 1979

सं० प०ख०प्र० 1/29/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद् द्वारा श्री अश्वनी कुमार राय को परमाणु खनिज प्रभाग में दिनांक 31 जनवरी,

1979 को पूर्वाह्न से अगले आदेश तक एक स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 फरवरी 1979

सं० प०ख०प्र०-1/29/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री नंदकुमार रामकृष्णकाले को परमाणु खनिज प्रभाग में एक स्थानापन्न पद पर दिनांक 24 जनवरी, 1979 की पूर्वाह्न से अगले आदेश तक वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करने हैं।

सं० प०ख०प्र-1/29/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री धनश्याम शर्मा को परमाणु खनिज प्रभाग में एक स्थानापन्न पद पर दिनांक 25 जनवरी, 1979 की पूर्वाह्न से अगले आदेश तक वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्ति करते हैं।

म० य० गोखले
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजली घर

टी०ए०पी०पी०, दिनांक 13 फरवरी 1979

सं० टी० ए० पी० एम०/2/791/70—स्यागपत्र स्वीकार किए जाने के फलस्वरूप श्री एन० के० अग्रवाल, वैज्ञ० अधि०/एम० बी० ने दिनांक 10 फरवरी, 1979 अपराह्न से तारापुर परमाणु बिजलीघर में अपना कार्यभार छोड़ दिया।

ए० डी० देसाई
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र,

तिरुवनंतपुरम-695022, दिनांक 1 फरवरी 1979

सं० बी० एम० एम० सी०/स्थापना/सी० ओ० एन०/2-101—निदेशक, बी० एम० एम० सी० अंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र, तिरुवनंतपुरम, में निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके नामों के सामने दी गई तारीखों के पूर्वाह्न से मूल पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	प्रभाग	वर्तमान स्थानापन्न पद	मूल पद जिस पर नियुक्ति हुई	तारीख
1	2	3	4	5	6
1.	श्री अब्दुल्ला के० एम०	आर० ई० एम०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	1-4-75
2.	श्री मुत्तु सी०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० डी०	" "	"
3.	श्री पोली के० ओ०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
4.	श्री विजयन ए०	एफ० आर० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
5.	श्री अय्यप्पन नायर एन०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
6.	श्री अलक्ष्म एन० के०	आर० ई० एम०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
7.	श्री मैथ्यु के० बी०	आर० ई० एम०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"

1	2	3	4	5	6
8.	श्री जोसफ के० पी०	एफ० आर० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	1-4-75
9.	श्री उणिण ए० पी० आर०	ई० एल० एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
10.	श्री वर्गीस पी० एम०	आई० एस० आई०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
11.	श्री कल्याणकरन आचारी के० एन०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
12.	श्री नायर एन० एम०	आई० एम० आई०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
13.	श्री रवीन्द्रनाथन नायर एन०	ई० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
14.	श्री फेरण्डस जी०	जी० एम० एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
15.	श्री गोपाल पिल्लै एम०	जी० एम० एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
16.	श्री वेणु गोपालन बी०	जी० एम० एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
17.	श्री जोण पी० डी०	ई० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
18.	श्री जनार्दनन् पिल्लै पी० एन०	ई० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
19.	श्री कृष्ण स्वामी एम०	ई० एल० एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
20.	श्री कुमारन बी० के०	ई० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
21.	श्री मोहन के०	सी० डब्ल्यू० एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
22.	श्री प्रभाकरन एम०	ई० एल० एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
23.	श्री पणिकर के० पी० एम०	क्यू० ए० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
24.	श्री सुकुमारन नायर पी० के०	एम० पी० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
25.	श्री सदाशिवन पी० टी०	ई० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
26.	श्री सुब्बाराव के०	ई० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
27.	श्री कुरियन के०	— विकास	"	" "	"
28.	श्री मात्तुण्णी वाई०	— आर० एफ० एफ०	"	" "	"
29.	श्री सुबाष सी० बोस	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
30.	श्री बालन टी० ए०	ई० एफ० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
31.	श्री कृष्णन कुट्टी बी० के०	एम० एल० बी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
32.	श्री मोहम्मद राफीय	आर० ई० एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
33.	श्री नारायणन कुट्टी एन०	एम० एल० बी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
34.	श्री परमेश्वरन पिल्लै एम० एन०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
35.	श्री पिल्लै पी० के० पी०	ट्रान्सपाट	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
36.	श्री श्रीधरन सी० बी०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
37.	श्री एन्नाहाम आई० मैथ्यू	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
38.	श्री अरुमुगम पिल्लै एम०	एम० एल० बी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
39.	श्री बालकृष्ण नायर टी० के०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
40.	श्री भास्करन नायर एम० के०	एम० टी० आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
41.	श्री दिवाकारन पी०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
42.	श्री देवस्सी एम० ए०	पी० एम० एन०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
43.	श्री गपिनाथन नायर सी०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
44.	श्री गोपालन नायर एम०	ई० एल० एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
45.	श्री भापी ई० आर०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
46.	श्री गुप्ता जी० एम० आर०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
47.	श्री जोण पीटर एम०	पी० एस० सी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० डी०	" "	"
48.	श्री जोणसन सी०	पी० एम० एन०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
49.	श्री कृष्णन डी०	ई० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० डी०	" "	"
50.	श्री कुरियन ए० जे०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
51.	श्री नरेशैया वाई०	आर० एम० आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"

1	2	3	4	5	6
52.	श्री नारायणन कुट्टी ए०	आर० एम० आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	1-4-75
53.	श्री प्रभाकरन एन०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
54.	श्री पंकजावक्षन नायर एम०	एम० पी० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
55.	श्री प्रसाद सी० डी०	एम० पी० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
56.	श्री पांडुरंग एल० पी०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
57.	श्री राव एम० जी०	एम० टी० आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
58.	श्री राधाकृष्ण पणिकर पी०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
59.	श्री रामस्वामि राव जाकाटी	पी० एफ० सी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
60.	श्री सत्यनारायण के० आर०	एम० टी० आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
61.	श्री श्रीकुमार के० एन०	ई० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
62.	श्री सुकुमारन नायर के०	ई० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
63.	श्री श्रीधरन आशारी के०	एस० एल० बी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
64.	श्री तोमस के० ई०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
65.	श्री उष्णिक्मू सी० टी० पी०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
66.	श्री उत्तमन पी०	ए० आर० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
67.	श्री वेंकटरामन बी० एम०	एम० टी० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
68.	श्री विनयचन्द्रन नायर के०	आर० एम० आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
69.	श्री वासुदेवन उष्णि के० एन०	पी० एम० एन०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
70.	श्री योहन्नान सी० ओ०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
71.	श्री बालचन्द्रन आर०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
72.	श्री कल्याण सुन्दरम के० एम०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० डी०	" "	"
73.	श्री माधवन सी०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
74.	श्री शिरशी एस० टी०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
75.	श्री रवीन्द्रन नायर के० आर०	आर० पी० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
76.	श्री राधाकृष्णन एन० एम०	एम० पी० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
77.	श्री रवीन्द्रनाथदाम	एफ० आर० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
78.	श्री समीरन रेय	एफ० आर० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
79.	श्री विजयकुमारन नायर एम०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
80.	श्री नारायण मेनोन पी० के०	एम० पी० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
81.	श्री पोत्तन पी० पी०	एम० पी० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
82.	श्री जोसफ पी० के०	विकास	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
83.	श्री नंबूतिरी के० सी० एन०	जी० एम० एम०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० डी०	" "	"
84.	श्री माधवन नायर के०	एफ० आर० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
85.	मोहम्मद माली ए०	एफ० आर० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
86.	श्री विश्वनाथपिल्लै एन०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
87.	श्री जोसफ पी० सी०	आर० पी० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
88.	श्री मेलवराज एस०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
89.	श्री पीटर जार्ज	एस० पी० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"
90.	श्री स्टानसिलाम साममण के० एच०	पी० एम० एन०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	" "	"
91.	श्री तोमस बर्गीम	पी० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	" "	"

राजन बी० जार्ज
प्रशासन अधिकारी-II स्थापना)
कृते निदेशक, बी० एस० एस० सी०

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1979

सं० ए० 31013/2/77-ई०-I—राष्ट्रपति ने श्री बी० रामासुब्रह्मण्यम, स्थानापन्न निदेशक, प्रशिक्षण एवं अनुज्ञापन, नागर विमानन विभाग को दिनांक 31 मार्च, 1978 से उसी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० ए० 12025/8/76-ई०-I—राष्ट्रपति ने सर्वश्री बी० के० गांधी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (वैमानिक) और जे० एम० चौहान, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (विमान मूल्यांकन) को दिनांक 25 जनवरी, 1979 से छः माह के लिये अथवा पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले पड़े, नागर विमानन विभाग में वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 31013/3/78-ई०-I—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को जो नागर विमानन विभाग में क्षेत्रीय निदेशक के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्यरत हैं, दिनांक 31 मार्च, 1978 से उसी ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है :—

1. श्री एच० डी० कृष्ण प्रसाद
2. श्री बी० चन्द्रशेखरन
3. श्री एम० डी० बहल

दिनांक 13 फरवरी 1979

सं० ए० 19014/49/72-ई०-I—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री जी० एम० गुप्ता ने दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) को निदेशक, विमान-मार्ग एवं विमान क्षेत्र (परिचालन) के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 19014/138/72-ई०-I—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री जे० एम० कपूर ने दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) को निदेशक प्रशिक्षण एवं अनुज्ञापन के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 19014/60/72-ई०-I—राष्ट्रपति ने श्री एच० सी० राय चौधरी उप निदेशक, (फायर) नागर विमानन विभाग को मूल नियम 56(के) के उपबन्ध के अन्तर्गत उनके अनुरोध पर तीन माह के नोटिस अवधि की समाप्ति पर दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की मंजूरी दे दी है।

80 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी जाने पर श्री एच० सी० राय चौधरी ने 10 नवम्बर, 1978 अपराह्न को उप-निदेशक (फायर) के पद का कार्यभार छोड़ दिया था, 11 और 12 नवम्बर, 1978 क्रमशः दूसरा शनिवार तथा रविवार की छुट्टी थी। छुट्टी की अवधि और नोटिस की शेष अवधि एक साथ चलेगी।

हरबंस लाल कोहली
निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1979

सं० ए० 32013/7/78-ई०-सी०—राष्ट्रपति ने श्री ए० के० बंसल, तकनीकी अधिकारी वैमानिक संचार स्टेशन पालम, को दिनांक 6-1-79 (पूर्वाह्न) से 6 माह की अवधि के लिये अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक रेडियो निर्माण एवं विकास एकक नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया।

दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० ए० 39012/5/78-ई०-सी०—राष्ट्रपति ने नियन्त्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई एयरपोर्ट बम्बई के कार्यालय में श्री एम० भट्टाचार्य, तकनीकी अधिकारी का दिनांक 1-1-1979 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से त्याग पत्र स्वीकार कर लिया है।

मत्स्यदेव शर्मा
उप निदेशक, प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० 1/14/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एन० द्वारा मुख्य कार्यालय, बम्बई के अधीक्षक, श्री एच० के० खेतानी, को तदर्थ आधार पर 15-11-78 से 2-12-78 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिये आर्य समाज में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नागर
निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क समाहर्तलय

बड़ौदा, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० 1/79—पहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, हैड क्वाटर बड़ौदा, के कार्यालय के वर्ग 'ख' अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्री के० बी० भावसार को दिनांक 23-12-78 से स्वैच्छिक आधार पर सेवा निवृत्त होने को अनुमति दी जाती है क्योंकि उन्होंने 20 वर्षों से अधिक की अर्हक सेवा पूरी कर ली है।

(ह०) अपठनीय
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा

भुवनेश्वर, दिनांक 3 फरवरी 1979

सं० 3/79—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर श्री अमरचरण पाल स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद और सीमा

शुल्क श्रेणी 'ख' कटह डिबिजन में स्थापना हुए 31 जनवरी, 1979 अपराह्न से इस विभाग में अवसर मिले।

एच० वुमखोयांग
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क,
भुवनेश्वर

इन्दौर, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० 3/79—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय इन्दौर के बहुपदीय अधिकारी रेंज, उज्जैन, में तैनात श्री जी० जेड रामचंद्रानी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' ने निवर्तन की प्राप्ति करने पर दिनांक 31-12-78 के अपराह्न से सेवा शुरू कर दिए गए हैं।

सं० 4/79—श्री आर० एस० गुप्ता, प्रवरण श्रेणी निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, उनकी अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 14-12-1978 के पूर्वाह्न में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयसोलेटेड रेंज, ग्वालियर का कार्यभार संभाल लिया।

मनजीत सिंह बिन्हा,
समाहर्ता

उत्तर रेवेन्यू

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1979

सं० 4—उत्तर रेवेन्यू के निम्नलिखित अधिकारी, प्रत्येक के सामने लिखी हुई तारीख से आन्तरिक रूप से रेल सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

1. श्री आर० एस० सुंद, महायुक्त कार्मिक अधिकारी—24-3-72 अपराह्न।
2. श्री जयवन्त राय, मण्डल कार्मिक अधिकारी—31-7-75 अपराह्न।

आर० श्रीनिवासन
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और के० तारा ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटह, दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० एस ए० 92/3950(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 860 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि तारा ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट

लिमिटेड, का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

डी० के० पाल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम 1956 और कन्डोई एण्ड सर्राफ प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 15 फरवरी 1979

सं० 722-टेक—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सं० कन्डोई एण्ड सर्राफ प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्यप्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम 1956 और हिमाचल पोलट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० जी०/स्टट/560/2904/12231—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हिमाचल पोलट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रीवा प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० जी०/स्टट/560/3201/12233—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रीवा प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्पेशल चिट फंड एण्ड फाइनेंसियर्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 19 जनवरी 1979

सं० जी०/स्टट/560/2898/12235—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्पेशल चिट फंड एण्ड फाइनेंसियर्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1965 और न्यू हिन्दुस्तान एक्स सोलजर्स फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० जी०/स्टट/560/2740/12237—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि न्यू हिन्दुस्तान एक्स सोलजर्स फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

मन्य प्रकाश तायल
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1979

आयकर

सं० जूरि०/दिल्ली-1/78/79/45278—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) तथा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में पहले जारी की गयी अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी टी० डी० एम० (सेलरीज) सर्किल-1 का आयकर अधिकारी प्राइवेट सेलरी सर्किल 4, 5 नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के संबंध में समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा परन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जिनके धारा 127 के अन्तर्गत सौंपा गया हो अथवा जो इसके बाद सौंपे जाएं।

आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 कार्य निष्पादन की सुविधा के लिये निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-1 बी० तथा 1-सी० को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा (2) में अपेक्षित आदेशों को पास करने के लिये भी प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 6-2-1979 से लागू होगी।

क० न० बुटानी
आयकर आयुक्त, दिल्ली -1

कार्यालय आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 14 फरवरी, 1979

सं० एफ० 48-एडी (एटी)/78—श्री के० एल० रेहानी, जो भारत सरकार के श्रम मंत्रालय में अस्थायी श्रम अधिकारी (मैन्ट्रन पूल) हैं को आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में सहायक पंजीकार के पद पर अस्थायी क्षमता में रु० 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 5-2-1979 (अपराह्न) से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 5-2-1979 (अपराह्न) से दो वर्षों के लिये परीक्षणीय रहेंगे।

पी० डी० माथुर
अध्यक्ष,
आय कर अपील अधिकरण

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/2-79/329/604—

यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15/1445 है तथा जो मोहल्ला संगतरावण, पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती श्रीमती रानी, विधवा पत्नी श्री शिव प्रकाश मेडो, निवासी 226, मोहल्ला मेहरापुरा, अमृतसर स्थित तथा अपने बच्चों के जनरल अटारनी है (अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार तथा चन्द्र भानु, सुपुत्र श्री दोनों सुपुत्र श्री बामदेव, निवासी 15/1445, मोहल्ला संगतरावण, पहाड़गंज, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका नं० 15/1445 है और क्षेत्रफल 55 वर्ग गज है, मोहल्ला संगतरावण, पहाड़गंज, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मकान नं० 15/1444

पश्चिम : मकान नं० 15/1446

उत्तर : मकान नं० 15/1437

दक्षिण : गली

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-2-1979

मोहर :

प्ररूआई०टी०एन०एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन०/11/जून-13/3876/78-79/6113/-यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अंतर्गत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० 15/8 है, तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

एतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गिरधारी लाल मदान, सुपुत्र श्री सुख दयाल मदान,
(2) श्री जवाहर लाल (3) श्री सतीश कुमार
(4) श्री सुरेन्द्र कुमार, सभी सुपुत्र श्री गिरधारी लाल तथा (5) बिहारी लाल, सुपुत्र श्री लधा राम, निवासी, 15/8, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26 :

(अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल कपूर, सुपुत्र श्री ए० एन० कपूर, निवासी ई-226, सरकारी मकान, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बड़ी मंजिला बिल्डिंग जोकि 270.83 वर्ग गज के प्लॉट पर बनी हुई है, जिनका नं० 15, रोड नं० 8, ब्लाक 'डी' है, पंजाबी बाग, बसाणदारापुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 13

पश्चिम : जायदाद नं० 17

उत्तर : सविम लेन

दक्षिण : रोड नं० 18

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-2-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/11/जुलाई-27/2735/78-79/6113/—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिनकी सं० 3/66-ए है, तथा जो रोहतक रोड, डब्ल्यू० ई० ए० करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-7-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राम पियारी गुलाटी, पत्नी श्री चमन मल गुलाटी, निवासी 32, बंगला रोड, मन्जी मण्डी, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सोम नाथ खुराना, मुपुत्र श्री हवेली राम खुराना (2) श्रीमती आशया वन्ती, पत्नी श्री सोम नाथ खुराना (3) श्री शुनील खुराना मुपुत्र श्री सोम नाथ खुराना तथा (4) श्री गिरीश खुराना, मुपुत्र श्री सोम नाथ खुराना, निवासी 11061, शादीपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिनका नं० 3, ब्लाक नं० 66-ए है और क्षेत्रफल 575.77 वर्ग गज है, रोहतक रोड, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लॉट नं० 4
 पश्चिम : प्लॉट नं० 2
 उत्तर : 18' चौड़ी पब्लिक लेन
 दक्षिण : रोहतक रोड

आर० बी० एल० अग्रवाल,
 सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-2-1979
 मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 फरवरी 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/जुलाई-130/2428
78-79/6113—यन०, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० एफ-12/3 है, तथा जो माडल टाऊन, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 3-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (घन्तरकों) और
घन्तरिणी (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए
तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) घन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य धास्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ घन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लाल चन्द भाटिया, सुपुत्र श्री जमन लाल भाटिया
निवासी के-1/39, माल टाऊन, दिल्ली-9 तथा
(2) श्री भगवान दाग बनाम भोला नाथ भाटिया,
सुपुत्र श्री चमन लाल भाटिया, निवासी 119-20,
तिलक बजार, दिल्ली-6

(अन्तरक)

2. श्री केशव दत्त शर्मा, सुपुत्र श्री विष्णु दत्त शर्मा निवासी
15, टैगोर पार्क, नई दिल्ली तथा (2) श्री
बी० डी० शर्मा, सुपुत्र श्री जी० डी० शर्मा, निवासी
1553, एम० पी० मुखर्जी मार्ग, दिल्ली-1

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांश सम्पत्ति के घर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और रद्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ड्राई पंजिला बिल्डिंग जोकि 376.258 वर्ग मीटर
क्षेत्रफल (450 वर्ग गज) के प्लॉट पर बनी हुई जिसका नं०
3, ब्लॉक नं० एफ-12 है, माडल टाऊन, मालिकपुर छावनी
गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं० एफ-12/4
पश्चिम : जायदाद नं० एफ-12/2
उत्तर : जायदाद नं० एफ-13/3
दक्षिण : रोड

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एकपु०/11/जून-74/3916/
78-79/6141—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान सं० 1144 में 1148, 1150 तथा
कूचा महाजनी, चांदनी चौक, दिल्ली है, तथा जो 1149 (बाल-
खाना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल ने लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की सम्पत्ति उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य धातुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा
के लिए

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री वीरेन्द्र स्वरूप, सुपुत्र श्री जतन सिंह, निवासी
मोहल्ला कयास्थवारा निकन्दराबाद, जिला बुलन्दशहर,
यू० पी० (स्वयं के लिए तथा चार बहन के लिए)
(अन्तरक)

2. मै० सरदार इस्टेट्स ए-3, कैलाश कालोनी, नई
दिल्ली-1 (उनके हिस्सेदारों के द्वारा)
(अन्तरिती)

3. (1) श्री किदार नाथ (2) मै० सरदार ओवरसीस
(3) मै० छाज्जमल मदन लाल (4) मै० इन्द्र सिंह
एण्ड सन्स (5) एल० राम रीछपाल (6) श्री हरी
श्रीम (7) डा० पी० बी० व्यास तथा डा० एन०
एस० जैन (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान सं० 1144, 1145, 1146, 1147, 1148,
1150 तथा 1149 (बालखाना) का 1/3 हिस्सा, जिसका
क्षेत्रफल 48.8 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 146.2/3 वर्ग गज
है), कूचा महाजनी, चांदनी चौक, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 फरवरी 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकमु०/11/जून-75/3917/

78-79—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1144 से 1148, 1150 है, तथा जो
कुचा महाजनी, चांदनी चौक, दिल्ली-1 तथा 1149 (बाल-
खाना) में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के
अधीन, तारीख जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
राष्ट्रविक्रय का ये तपिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बावन, उक्त
अधिनियम के धाहीन कर देने के धानरक के
दधिरण में कमी करने या उमने उमने में सुविधा के
लिए। और/या

(ख) एकी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1967 (1967 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के धनुसरण में,
बै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राजीन्द्र स्वरूप, सुपुत्र श्री जतन स्वरूप निवासी
पोहल्ला कपरास्थवारा, मिर्कन्धराबाद, जिला बुलन्दशहर,
यू० पी०

(अन्तरक)

2. मै० सरदार ईस्टेडस, ए-3, तैलाण कालीनी, नई
दिल्ली-1

(अन्तरिती)

3. (1) किरदार नाथ (2) मै० सरदार ओवरसीम (3)
मै० छाजूमल मदन लाल (4) मै० इन्द्र सिंह एण्ड
गणम (5) एल० राम रीछपाल (6) हरी ओम
(7) डा० पी० बी० व्यास तथा डा० एन० एम० जैन
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दुकान जिसका नं० 1144, 1145, 1146, 1147, 1148,
1150 तथा 1149 बालखाना है, और क्षेत्रफल 24.4 वर्ग
गज (कुल क्षेत्रफल 146.2/3 वर्ग गज) है, कुचा महाजनी,
चांदनी चौक, दिल्ली में है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-2-1979

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 फरवरी 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/जून-77/3919/78-79/6141—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1144 से 1148, 1150 तथा 1149 (बालखाना) है, तथा जो कुचा महाजनी, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री इन्द्रस्वरूप, सुपुत्र श्री मुन्त्र स्वरूप, निवासी मोहल्ला कयास्थवागा, मिकन्दगवाड, जिला बुलन्दशहर, यू० पी०

(अन्तरक)

2. मै० मरदार ईस्टेट, ए-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

3. श्री किदार नाथ (2) मै० मरदार ओवरसीम (3) मै० छाजुमल मदन लाल (4) मै० इन्द्र सिंह एण्ड गन्म (5) एल० राम रीछपाल (6) श्री हरी श्रोम (7) डा० पी० बी० व्याम तथा डा० एन० एम० जैन (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जिसका नं० 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1150 तथा 1149 (बालखाना) है और क्षेत्रफल 73.1/3 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 146.2/3 वर्ग गज) है, कुचा महाजनी, चांदनी चौक, दिल्ली में है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्राकृप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/जून-8/3871/78-79
—अन०, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० डी-9/10 है, तथा जो माडल टाउन, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 6-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में तमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

धतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर संपत्ति :—

1. श्री एम० सुरीन्द्र सिंह भसीन, सुपुत्र श्री एम० उजागर
सिंह, निवासी डी-9/16, माडल टाउन, दिल्ली-1
(अन्तरक)

2. श्रीमती मोहिन्द्र गोहिल, पत्नी श्री चमन लाल तथा
श्री पुनीत गोहिल, सुपुत्र श्री चमन लाल गोहिल,
निवासी सी-1/28, माडल टाउन, दिल्ली-1
(अन्तरिती)

3. श्री सुदेश कुमार तनेजा तथा एम० जोशीन्द्र सिंह
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला बिल्डिंग जोकि 282 वर्ग गज क्षेत्रफल
के प्लॉट पर बनी हुई जिसका नं० 160 ब्लॉक नं० डी-9 है
माडल टाउन दिल्ली मालिकपुर छावनी गांव दिल्ली राज्य में
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड
पश्चिम : प्लॉट नं० डी-8/16 पर मकान
उत्तर : प्लॉट नं० डी-9/17 पर मकान
दक्षिण : प्लॉट नं० डी-9/15 पर मकान

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 21 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/II/2-79/330/6138

—यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 124 है, तथा जो शंकर रोड, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)

अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नन्द लाल मनुगन, सुपुत्र श्री आतमा राम सहगल, निवासी 124, शंकर रोड, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

2. श्री यश पाल अहूजा, सुपुत्र श्री पिशोरी लाल, श्री प्रेम पाल अहूजा, श्री प्रमोद कुमार अहूजा, सुपुत्र श्री पिशोरी लाल अहूजा, निवासी जो-24, मोनमरोवर गार्डन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

3. (1) श्री काशी राम (2) श्री देम राज (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जिसका नं० 124 है और क्षेत्रफल 89 वर्ग गज है शंकर रोड, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : दुकान नं० 123

पश्चिम : दुकान नं० 125

उत्तर : रोड

दक्षिण : लेन

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 21-2-1979

मोहर :

प्रमाण संख्या डी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-3, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 12-79/331—
यतः, मुझे, डी० पी० सोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० के
अधिक है और जिसकी सं० 23 है, तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 9-6-1978 को

पूर्वोक्त, संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इससे दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गति
(अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण का कोई एकमात्र आय का स्रोत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में तय
करने या उसमें अन्तरण में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मोहीन्द्र हौर, तथा श्री ए०० अवतार सिंह
शानन्द, निवासी 350/5A, कबीर-कथी बजार,
बम्बई-9

(अन्तरक)

2. श्री राजीन्द्र कुमार गम्भीर तथा श्री सुवर्णन कुमार
गम्भीर, दोनों पुत्र श्री काकु राम गम्भीर, निवासी
ए/85-86, (डबल स्टोरी) रामेश नगर गढ़ दिल्ली
(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी त्रुटि—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में अति-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवैधताभरा के
पात लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें उक्त अवधि और पक्षों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-ब में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट त्रिभुजा सं० 23, क्लास 'सी', बैस्ट
एवेन्यु रोड, पंजाबी बाग, मादोपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद सं० 21

पश्चिम : प्लॉट सं० 25

उत्तर : मर्चिस लेन

दक्षिण : बैस्ट एवेन्यु रोड

डी० पी० सोयल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

ब्रह्म आर्षि० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1978

निदेश सं० अर्जुन/215/फर्रुखाबाद/78-79—यतः, मुझे,
विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फर्रुखाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चुन्नी देवी विधवा स्व० नवाब सिंह निवासी
ग्राम निगार पो० करनपुर जि० फर्रुखाबाद

(अन्तरक)

2. श्री अनंगपाल सिंह, श्रीमपाल सिंह, रिश्रीपाल सिंह
पुत्रान गजराज सिंह उर्फ गजजू सिंह निवासी ग्राम
निगार पो० करनपुर जि० फर्रुखाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम निगार पो० करनपुर जिला
फर्रुखाबाद 56000 में बेची गई जिसकी कि बाजारी कीमत
74200 रु० है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-11-1978

मोहर :

प्रकरण माई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 1528 रुड़की/78-79—यतः, मुझे, विजय भार्गव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिगकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रुड़की में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तुति (प्रस्तुतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या कितनी धन या धन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इनामुल हक पुत्र श्री नाजिर हुसैन निवासी लाहवोली, मंगलौर रुड़की सहारनपुर

(अन्तरक)

2. श्री नईम पुत्र रहमत नशीम अहमद शलीम अहमद, मो० कलीम पुत्र करीमुद्दीन निवासी लाहवोली, मंगलौर, रुड़की, सहारनपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 15 बीघा 11 बिस्वा 15 बिस्वोसी स्थित ग्राम लाहवोली, मंगलौर, रुड़की जिला सहारनपुर 90,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गई।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-11-1978

मोहर :

प्रमाण आई० सी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 292/ग्रजन/कायमगंज/78-79—यतः, मुझे,
विजय भार्गव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है

और जिपकी सं० है, तथा जो में स्थित है,
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकारी अधिकारी के कार्यालय, कायमगंज में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
21-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(1) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किना प्रायः किसी घन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अंतर्गत अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या इस प्रकार का निर्धारित था, छिपाने
में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रामनन्दिनी पत्नी हरी नाथ निवासी ग्राम
चांदपुर, कायमगंज फर्रुखाबाद
(अन्तरक)

2. श्री शंकरपाल सिंह, भीमम सिंह पुत्राण मनोहर सिंह
निवासी चांदपुर, कायमगंज फर्रुखाबाद
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के
लिए कार्यवाहिया करना है ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कुपि भूमि स्थित ग्राम चांदपुर, कायमगंज फर्रुखाबाद
56000 रु० में बेची गई जिसका कि बाजारी मूल्य 94600 रु० है ।

विजय भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 264/अर्जन/ओरैया/78-79—यतः, मुझे,
विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसको सं० है, तथा जो मे स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओरैया में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-496GI/78

1. श्री प्यारे पुत्र देवराज यादव निवासी बसुण्डा पो०
दिवियापुर जिला इटावा

(अन्तरक)

2. श्री गहराज सिंह पुत्र चेतनाम यादव निवासी बसुण्डा
पो० दिवियापुर जिला इटावा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम बसुण्डा पो० दिवियापुर जिला
इटावा 64480 रु० में बेजा गई जिसका कि मूल्यांकन 108400
रु० किया गया है

विजय भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 नवम्बर 1978

निदेश सं० 22789/अर्जुन/मसूरी/78-79/4376—यतः, मुझे, विजय भागवत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्याधर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मसूरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रकट, तारीख 25-4-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वाचस्पिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कति धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लाला ज्ञान चन्द पुत्र लाला मोती राम निवासी
नन्द विला कुलशी, मसूरी
(अन्तरक)

2. श्री हिकमत सिंह, पुत्र श्री खुशाल सिंह निवासी
बिमला काटेज, कुलशी, मसूरी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्याधर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह संपत्ति 75,000 रु० के विक्रय मूल्य में मूल्यांकन अधिकारी देहादुत द्वारा दी गई शुद्ध बाजारी कीमत 99,800 रु० के विरुद्ध बेची गई।

विजय भागवत,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-11-1978
मोहर :

प्रकरण आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी 1979

निर्देश सं० 460-ए/मेरठ—यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 29-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्चह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं;
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री टेकवन्ध पुत्र शीता राम साकिन 78 ए महमूद
नगर, बेरुन लिकाड़ी रोड, मेरठ
(अन्तरक)

2. श्री गिरवर सिंह पियर अमराव सिंह साकिन मौजा
गढ़ी मजरा पञ्चगांव पट्टी अमर सिंह परगना तहसील
मेरठ
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाप्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर 222 और 251 रकबा 6 बीघे 10
विसवान्सी या 2 बीघे 12 विसवे 2 विसवान्सी 10 कयवान्सी
दो किते 2 बीघे 12 विसवे 12 विसवान्सी 10 कयवान्सी नाके
मौजा पञ्चगांव पट्टी सावलु मेरठ में रु० 48,000/- में बेची
गई जिसका उचित बाजारी मूल्य रु० 86,312/- आंका गया
है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-1-1979
मोहर :

प्रस्प आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 जनवरी 1979

निर्देश सं० 499 ए/सहारनपुर—यत, मझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकुंड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बिलायत अली खां पुत्र श्री भुरे खां निवासी ग्राम इस्लामनगर डाकखाना खाम पर व तहसील नकुंड जिला सहारनपुर

(अन्तरक)

2. श्री मुख्तार अहमद खां पुत्र श्री बोन उल्लाह रखे खां निवासी ग्राम बन्धवाला डाकखाना इस्लामनगर पर व तहसील नकुंड जिला सहारनपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लोकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर खसरा 11, 6 बीघा पायें विस्वा 15 विस्वान्सी ग्राम मुजफ्फरपुर परगना व तहसील नकुंड जिला सहारनपुर में 19800/- रु० में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 51,160/ रुपया आंका गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-1-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1979

निदेश नं० 508/ग/गाजियाबाद/78-79--वन, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिनकी नं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार
में स्थित है (और इसके उद्भावक अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 6-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पक्षापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरलिखों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी घात का वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घात या किसी घन या घनर आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अन्-
तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :--

1. श्री नन्द लाल पुत्र दुल्ला राम निवासी 122 बरका पूरी
(जस्सीपुरा) डा० खाम जिला गाजियाबाद
(अन्तरक)

2. प्रोफेसर श्री कृष्ण श्रीवास्तव पुत्र स्व० कंवर बहादुर
श्रीवास्तव व श्रीमती आशागानी स्त्री श्री कृष्ण
श्रीवास्तव निवासी 40 मौ० रामानुज दयाल (नई
बस्ती गाजियाबाद) जिला गाजियाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांत सम्प्राप्त के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सक्रांत नं० 113 बरिकापुरी (जस्सी पुरा) गाजियाबाद
60000 रु० में बेची गई ज़िम्मा कि उचित बाजारी मूल्य
106350 रुपए है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 15-1-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1979

निर्देश सं० 434-ए/बुलन्दशहर—यत्तः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उम्मीद प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री छिदा पुत्र लक्ष्मण निवासी ग्राम मालापुर मोअज्जदपुर प० तहसील हापुड़। (अन्तरक)

2. श्री मुभाष चन्द्र व धर्मपाल सिंह पुत्रगण व सरैना पत्नी ब्रह्मजीन सिंह निवासी गण चौपड़ा महेशपुर प० व तहसील बागपत जिला मेरठ व राजकुमार पुत्र सतवीर सिंह निवासी फीरतीपुर प० स्नाना जिला : बुलन्दशहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित माकापुर मुजफ्फरपुर पो० व तहसील हापुड़ जिला गाजियाबाद में 87,000/- रुपए में बेच गई है जिसका उचित बाजारी मूल्य रुपए 1,10,935/- आंका गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-1-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निदेश सं० 104/अर्जन/खैर/78-79—यतः, मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन यक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैर/अलीगढ़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 12-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री इन्दर सिंह पुत्र डल्लू नाकिन बिरोला परगना
व तहसील खैर जिला अलीगढ़

(अन्तरक)

2. श्री नाहर सिंह पुत्र लीकम सिंह, राजकुमार व देवराज
ना० संरक्षक श्रीमती सुब्रदेवी माता पुत्रगण धर्मपाल
निवासी बिरोला परगना व तहसील खैर जिला
अलीगढ़

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुछ सम्पत्ति क्षेत्रफल 27 स्थित कस्बा खैर तहसील खैर
जिला अलीगढ़ 40500 रुपए में बेची गई जिसका कि अनुमानित
उचित बाजारी मूल्य 75,000 रुपए है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

प्रकाश माई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 2 फरवरी 1979

निदेश नं० 121/अर्जुन/विधुना/78-79—यनः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी व० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इसके उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विधुना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णित :—

1. श्रीमती बानी कुंवर बेबा सिंह निवासी व पोस्ट मछन्दा परगना विधुना जिला इटावा (अन्तरक)

2. श्री ब्रजलाल व प्रमोदयाल पुत्र लालई निवासी पुनी अग्रपत्नी (निवासी पो० मुगरिहा, बेल्लपुर व भयपुरगी बेबा लक्ष्मी व मुंशी लाल पुत्र ग्यादीन निवासी पुत्री मिलनी मौजा मुडरिहा पो० बेल्लपुर परगना विधुना जिला इटावा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के पञ्चम में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति नं० 233 स्थित मौजा मुगरिहा परगना विधुना जिला इटावा 45000 रुपए में बँची गई जिनका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 1,12,000 रुपए है ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

प्रकाश प्राई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश न० 153/अर्जन/इजलास/78-79—यतः, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी नं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार
में स्थित है (और इनमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वांछित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंतरीली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 13-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

१-496GI/78

1. श्रीमती गान्ती देवी स्त्री मानपाल निवासी पाली
रजाकपुर तहसील कोल जिला अलीगढ़

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरदेवी स्त्री शिवलाल, श्रीमती लीलवती
स्त्री तालेवर, श्रीमती चन्द्रवती स्त्री पन्ना लाल निवासी
फजलपुर परगना व तहसील अवरोली जिला अलीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोद्देशकारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति खसरा नं० 27एन स्थित मीजा फजलपुर
परगना व तहसील अवरोली जिला अलीगढ़ 24000 (चौबीस
हजार) में बेची गई जिसका हि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य
89,000 रुपए है ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निदेश न० अर्जन/168/विधूना/78-79—यतः, मुझे,
 बी० सी० चतुर्वेदी,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके
 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
 सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
 सम्पत्ति विषयक उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये पर अधिक है
 और निम्नी 10 सूची के प्रसार है, तथा जो सूचों के प्रसार
 में स्थित है (और शांति उदाहरण प्रामुखों में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), राष्ट्रीय कार्य प्रधिकारी के कार्यालय, विधूना में
 राष्ट्रीयकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 11 के अधीन,
 तारीख 28-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए प्रस्तुत हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि पर्याप्त रूप से सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके
 दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उद्देश्य रचना
 से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकों
 (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
 प्राप्ति, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
 बाधित रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई हिस्सा प्राप्त की बाधा, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसे हिस्सा प्राप्त या कियों वर या अन्य प्राप्ति, को
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
 मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन,
 निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री रामन, थ पुत्र दुर्दिन निवासी ग्राम पन्डपुर गा०
 मुहम्मदाबाद परगना विधूना, जिला इटावा
 (अन्तरक)

2. श्री कोमल सिंह, नत्थ राम, बृदावन सिंह पुत्रगण
 बोरवन सिंह निवासी पन्डपुर व श्रीमती ग्याश्री
 विश्वा रामकृष्ण यादव निवासी तगला नंदराम
 उपग्राम हसनपुर अहिरोवन व विश्वा सिंह पुत्र
 खुर्गो तान यादव निवासी रामपुर फर्रुखाबाद मुहम्मदाबाद
 परगना विधूना, जिला इटावा
 (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके (योजना सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवेश के पश्चात् न ता. या तारीख:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि या या अवधि बाद में
 पचास हजार या कम मात्रा में व्यक्ति में व्यक्ति
 व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवश
 किमी अन्य व्यक्ति द्वारा प्राप्तकारी द्वारा लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुछ सम्पत्ति 599 एकड़ स्थित ग्राम पन्डपुर परगना विधूना
 जिला इटावा 57000 में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित
 बाजारी मूल्य 91,000 रुपये है।

बी० सी० चतुर्वेदी
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-2-1979
 मोहर :

प्ररूप आ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निदेश सं० अर्जन/179/अतरीजी/78-79—यतः, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी हो यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार
में स्थित है (और इसे डाकद्वारा सूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार ऑफ़ प्रॉपर्टी के कार्यालय, अतरीजी
अलीगढ़ में रजिस्ट्रार ऑफ़ अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 20-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य का रूप के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरात की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उपके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरात-
(अन्तरितियों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आ या किसी वन या अन्य प्राप्तियों
को पाने, भारत में आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. किशन सिंह, मितर सिंह पुत्रगण तारीफा सिंह कनारी
पुत्र शिवराम निवासी बिलवतागर हाल मुकाम
आनंदपुर परगना जंजीरो तहसील, अतरीजी जिला
अलीगढ़

(अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल, श्रीमप्रकाश बालिगान व धर्म सिंह
देवकोतंदन ना० बा० संरक्षक मनोहर लाल भाई
पुत्रगण श्रीचिन्मय निवासी पैन्डरा परगना व तहसील
अतरीजी, जिला अलीगढ़

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए लायकाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 9 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 5
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी अन्य
व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति नं० 437 मि० स्थित मौजा गाजीपुर
परगना व तहसील अतरीजी, जिला अलीगढ़ 17000 रु० में
बेबां गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजार मूल्य 84,000
रु० है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 2-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश सं० 229/अर्जन/मात/78-79—यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और विपत्ति सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इसी उभावद्ध प्रतुत्तुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्वोक्त अधिकारी के कार्यालय, माट (मथुरा) में राजस्वोक्त अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य आस्थियों को, जन्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रत्नवीर सिंह पुत्र हरी सिंह निवासी कामिमा डा० वामना तहसील माट जिला मथुरा (अन्तरक)

2. श्री डोरीजाल, चमनजाल, देशराज, बच्चू पुत्रगण मुसोजाल व अन्य निवासी कामिमा डा० वामना तहसील माट, जिला मथुरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति स्थित तहसील माट जिला मथुरा 29,500 रुपए में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 83 040 रुपए है ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 2-2-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश सं० 297/अर्जन/78-79—यतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उल्लेखित (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. श्री खालना प्रसाद दत्तक पुत्र राम प्रसाद निवासी अडीग डा० खास परगना व जिला मथुरा (अन्तरक)

2. श्री हीरा, बाबु, कृष्ण पुत्रगण बुद्धि निवासी अडीग डा० खास परगना व जिला मथुरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के पास लिखा में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति खसरा नं० 1066 स्थित मौजा अडीग परगना व जिला मथुरा 45000 रुपए में बेची गई जिनका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 87,620 रुपए है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुरतारीख : 2-2-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निदेश पं० 298/अर्जन/78-79—यतः, मुझे, भ० च०,
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अन्तर्गत सञ्चालन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और निम्नी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार
स्थित है (और इसे उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय, मथुरा में
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 5-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फलक लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि पश्चात्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के
बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जयपाल पुत्र लक्ष्मी राम निवासी नगला रामनगर
भाग कुजैरा तहसील व जिला मथुरा।

(अन्तरक)

2. श्री इकम सिंह बालिग व गुलब सिंह, दिनेश सिंह व
गोविन्द पुत्र न राम उहाय निवासी नगला रामनगर
भाग कुजैरा तहसील व जिला मथुरा।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति पं० 336 स्थित मौजा कुजैरा तहसील व
जिला मथुरा 24700 हाट में बंटी गई जिनका क्रि अनुमानित
उचित बाजार मूल्य 79420 रुपए है।

भ० च० चतुर्वेदी

सञ्चालन प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 2-2-1979

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश नं० 392/अर्जन/इगलास/78-79—यतः, मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिनकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (प्रो० इसका उदाहरण प्रतिलिखित में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/अधिकारी के कार्यालय, इगलास, अलीगढ़ रेंजि ट्रीकरम अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लीलावती विद्याबाबुवर सिंह निवासी गोवर्धन सिकारी डा० सोडा परगना हनुमानगढ़ तहसील इगलास जिला अलीगढ़ । (अन्तरक)

2. श्री राजश्री बाल पुा बाबुबाबु, रायगोपाल, जगदीश प्रसाद पुत्रगण हरनाथ निवासी कनपुर मजरा कारबा डा० तोछोगढ़ परगना हनुमानगढ़ तहसील इगलास जिला अलीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्तरिम अर्थात् पूर्वोक्त व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्राहक/क्षेत्र के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त जगहों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधारा 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधारा में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति स्थित मोजा कारम तहसील इगलास जिला अलीगढ़ 45000 रु० में बेची गई जिनका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 95000 रुप० है ।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुरतारीख 2-2-1979
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश सं० 357-ए/कानपुर-यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती किरण कुमारी भार्गव पत्नी स्व० गिरराज किशोर मिह भार्गव निवासी जी/56 तिलकनगर कानपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री मोती लाल जैन अध्यक्ष व श्री यजीर चन्द्र जैन व श्री ज्ञान नारायण जैन व श्री सुलेख चन्द्र जैन उपाध्यक्ष व श्री प्रेम कुमार जैन महामंत्री व श्री भ्रामरल जैन व श्री बच्चु लाल जैन, उपमंत्री व श्रीराम कुमार व निर्मल कुमार व ज्ञान चन्द्र मातृजन परिषद सोपाइट, 102/32 महावीर स्वामी मार्ग कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति स्थित 108/23 बाँके गान्धीनगर कानपुर (476 दशमल व 25 वर्गगज) 80,000/- रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 99,500/- रुपए आँका गया है ।

भ० ज० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-2-1979

मोहर

प्रस्ताव आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश सं० 360-ग/मानवधन/—यत, मुझे, अर्जन चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और ज़िमकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानवधन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
6-496GI/78

1. श्री पूरन सिंह पुत्र पिताम्बर सिंह निवासी तालडा हाल निकट बड़ा डाकखाना बीकानेर राजस्थान (अन्तरक)

2. श्रीमती भुल्ली पुत्री काले सिंह व श्रीमती विमला स्त्री सूबे सिंह व मु० बीरमती स्त्री श्याम सिंह व श्रीमती बाला देवा राम सिंह निवासी मूजर हाउस परगना खतौली तहसील जानगढ जिला मुजफ्फरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम तालडा परगना जौली सानकाथ नं० 498 11 बिघा 15 बिसवा 4+8 जो 71,820 रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 97,200/- रुपया आंका गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 फरवरी 1979

निर्देश सं० 646 ए—यतः, मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रयोजन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रसारित:—

7-4 96GI/78

1. श्री जगदम्बिका प्रसाद नारायण मिह्र पिकर मुलगाश महारानी जगदम्बा देवी धर्मपत्नी स्व० महाराजा सर प्रताप नारायण मिह्र के सी० आई० है निवासी राज सदन अर्योध्या, परगना हवेली अवध, तहसील व जिला फैजाबाद।

2. चंडी प्रसाद पुत्र प० खुशी राम तथा गंगा प्रसाद पुत्र श्री चंडी प्रसाद निवासी विष्णु घाट हरिद्वार परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला महारनपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक टुकड़ा भूमि स्थित विष्णुघाट, हरिद्वार को 50,000/- रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,42,000/- रुपया आंका गया है।

भ० ज० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निदेश नं० 419/अर्जन/फिरोजाबाद/78-79—अनं., मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिन्की सं० है, तथा जो
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकाारी के कार्यालय, फिरोजाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9-6-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या भागों का या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीति—

1. श्री नरदी लाल पुत्र कुन्दन लाल निवासी ग्राम रैपुरा पोस्ट
फिरोजाबाद, जिला आगरा
(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र सिंह, राममनहरी बालिग व बीरन्द्र सिंह ना०
बालिग मंशक व पिता अदल सिंह निवासी नगला
पानमहाय मजरा मौजा टापा खुर्द तहसील फिरोजाबाद
जिला आगरा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुपि सम्पत्ति क्षेत्रफल 31/2-10 पुख्ता स्थित परगना व
तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा 15000 रुपए में बेची गई
जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 77,144 रुपए
है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश सं० 452-ग/मुजफ्फरनगर—अतः, मुझे, भरत चन्द्र
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानसथ
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 19-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सरस्वती पत्नी श्री रति राम नि० मोरपुर
डा० माणपुर परगना मुम सम्बलहेडा तहसील
जानसथ जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

2. श्री रतन सिंह व मिशन सिंह व किरण पाल सिंह
पुत्रगण मुखयार सिंह 3/5 भाग सत्यवीर सिंह
पुत्र वीरवल सिंह 1/5 भाग मु० राजकली पत्नी श्री सत्य
वीर सिंह 1/5 नि नराल ग्राम खेड़ी सराय तहसील
जानसथ जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि रकबा 1617/ स्थित खेड़ी सराय मुजफ्फरनगर
में 40,000/- रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य
65,400/- रुपया आंका गया है।

भ० ख० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, कानपुर

तारीख : 2-2-1079

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश सं० अर्जन/132/हाथरस/78-79—यतः, मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हाथरस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्रीमती हरिप्यारी विधवा पोखवाल निवासी ऐलेन परगना ब तहसील हाथरस पो० खास जिला अलीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह, लाल सिंह, मेघ सिंह, जनक सिंह पुत्रगण लीवाधर निवासी गोधा पोहट खास तहसील कोल जिला अलीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धामोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सं० 574 स्थित ग्राम ऐलेन परगना ब तहसील हाथरस जिला अलीगढ़ 71,000 रुपए में बेची गई।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० 574-ए—अनं, मुझे, भ० च० चतुर्वेदी—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 2-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डेड राज पुत्र श्री मनी लाल और श्रीमती चन्द्र कान्ता
पत्नी श्री डेड राज 211 लुनियां मोहल्ला देहरादून
(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र अरजन दाभ मत्ता निवासी 2
आस्टेल हाल, देहरादून
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के निर-
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास निश्चित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यह सम्पत्ति नम्बर 2 स्थित ऐस्टले हाल, देहरादून में
70,000/- रुपये में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य
1,01,400/- रुपये आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 6-2-1979
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० 592-गे—अनः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार
में स्थित है (श्रीर उगमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 6-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 श्रीमती नर्मदा वाई पत्नी श्री लोकर जी भाई नि०
नर्मदा भवन राय बहादुर जैस्माम रोड, हरिद्वार।
(अन्तरक)

2. श्री जौहरी लाल पुत्र श्री ब्रज लाल नि० लक्ष्मी निवास
राय बहादुर जैस्माम रोड, श्रवण नाथ नगर
हरिद्वार।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

ग्रह सम्पत्ति स्थित जैस्माम रोड हरिद्वार में 1,38,000/-
रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,88,000/-
रुपए आंकी गई है।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर।

तारीख 6-2-1979 :

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 फरवरी 1979

निर्देश सं० 552-ए/कानपुर—यतः, मुझे, भ० च० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिमकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदेव सिंह पुत्र श्री महावीर सिंह निवासी धमना मजरा महराजपुर परगना व जिला कानपुर।
(अन्तरक)

2. श्री बाबू राम श्रीतार व श्री सत्यपाल पुत्रगण श्री रोशन लाल व श्रीमती बुदुवन्ती पत्नी श्री रोशन लाल निवासी हरजेन्द्र नगर, कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सं० 99 स्थित महराजपुर परगना व जिला कानपुर में 60,000/- रुपए में बेची गई जिमका उचित बाजारी मूल्य रुपए 1,52,000/- आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-2-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 फरवरी 1979

निर्देश सं० 646 ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए व्यय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;।

प्रतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

7-4 96GI/78

1 श्री नगदस्विका प्रसाद नारायण मिश्र पिपकर मुखर्जन महाराणी नगदस्विका देवी नर्मपल्ली राय महाराणा मर प्रताप नारायण मिश्र के गो० आई० है निवासी राज सदन अयोध्या, परगना हवेली अवध, तहसील ब जिला फैजाबाद ।

2. चंडी प्रसाद प्ल प० खुशी राम तथा गंगा प्रसाद प्ल श्री चंडी प्रसाद निवासी विष्णु घाट हरिद्वार परगना ज्वालापूर तहसील रुडकी जिला महारनपुर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक टुकड़ा भूमि स्थित विष्णुघाट, हरिद्वार को 50,000/- रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,12,000/- रुपया आंका गया है ।

अ० ज० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 फरवरी 1979

निर्देश सं० 441-ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और ज़िम्की सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्रीमती धूपकली पत्नी श्री प्रेम राज ब्रह्मपुरी हाल मन्जी मंडी घंटाघर निकट अम्बा टाकीज, देहली मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्री मूल चन्द्र शर्मा पुत्र श्री राम नाथ शर्मा निवासी 1619/28, नवीन शाहदरा दिल्ली द्वारा इलाहाबाद बैंक तिमारपुर, देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 521 हाल 573 बाके ब्रह्मपुरी, मेरठ में 80,000/- रुपये में बेची गई ज़िम्का उचित बाजारी मूल्य 1,17,500/- रुपये आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 फरवरी 1979

निर्देश सं० 554-ए/मेरठ—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मवाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 11-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सहदेव सिंह चौ० ईश्वरी प्रसाद निवासी कस्बा फलावादा परगना हस्तिनापुर तहसील मवाना, मेरठ।
(अन्तरक)

2. श्री नरायण सिंह चौ० जीश राम निवासी ग्राम भूपगढ़ी मजरा जानी खुर्द परगना व तहसील मेरठ वर्तमान कस्बा फलानदा परगना हस्तिनापुर, तहसील मवाना जिला : मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर 1923 स्थित ग्राम फलावादा परगना हस्तिनापुर जिला मेरठ में 92,000/- रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,20,000/- रुपया आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 13 फरवरी 1979

निर्देश सं० 106/अर्जुन/राठ/78-79—यतः, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमके पत्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रयोग अन्तर्गत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राठ, हमीरपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 8-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
प्रति अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विधि में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री छिमाधर पुत्र गंगाधर निवासी ग्राम उजनेह पो० धंगवा
परगना व तहसील राठ जिला हमीरपुर
(अन्तरक)

2. हगपाल खेमचन्द पुत्रगण श्रीपत व प्यारे लाल, शिवपाल
पुत्र बदलू प्रसाद निवासीगण ग्राम अठगांव पो० धंगवा
परगना व तहसील राठ जिला हमीरपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति चक नं० 131 स्थित ग्राम उजनेह परगना
व तहसील राठ जिला हमीरपुर 22000/- रुपए में बेची गई
जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 95,000 रुपए
है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-2-1979

मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 13 फरवरी 1979

निर्देश सं० 185/अर्जन/राठ/78-79—यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात्:—

1. श्री सूरज प्रसाद पुत्र सुन्दर लाल निवासी इटावल पो० अमगांव परगना व तहसील राठ जिला हमीरपुर। (अन्तरक)

2. श्री शिवराम मिह, गुरु प्रसाद पुत्र लछमन सिंह वृजेन्द्र मिह ना० बा० संरक्षक व पुत्र लक्ष्मण मिह, कल्लू मिह पुत्र व संरक्षक भोला मिह पुत्र दयाराम निवासी कस्बा व पो० राठ मोहाल चौबदा परगना व तहसील राठ जिला हमीरपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति 14.49 बीघा स्थित ग्राम इटावल परगना तहसील राठ जिला हमीरपुर 20700/- रुपए में बेची गई ज़िगा का कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 139000 रुपये हैं।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 फरवरी 1979

निदेश सं० अम्बाला/3/78-79—यतः, मुझे, रवीन्द्र
कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिनकी सं० कोठी नं० 85 का आधा भाग है, तथा जो
जो डुरंड रोड, अम्बाला छावनी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अमृत लाल सारीन पुत्र श्री राय साहब मोहन
लाल सारीन मारफत मलैसको लेबोरेट्री मथुरा रोड,
कोइकला, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती नीलम सारीन धर्म पत्नी श्री मुखदेव राम
सारीन 100-बी माल, अम्बाला छावनी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 85 का आधा भाग जिनमें छः सरबैंट क्वार्टर
हैं जो डुरंड रोड, अम्बाला छावनी में स्थित हैं और जैसा कि
रजिस्ट्रेशन नं० 984 में दिया है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी अम्बाला के कार्यालय में 20-6-1978 को लिखी गई।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 7-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 फरवरी 1979

निदेश सं० सोनीपत/7/78-79—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 34-एल, माडल टाऊन है, तथा जो सोनीपत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुदर्शन लाल पुत्र श्री राजेन्द्र शाह उर्फ जिन्दे शाह कमीशन एजेंट, पुरानी मन्जी मंडी, सोनीपत।
(अन्तरक)

2. श्रीमति अंगूरी देवी, विश्रवा श्री रघवीर सिंह मकान नं० 34-एल, माडल टाऊन सोनीपत,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाप में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—मकान नं० 34-एल, माडल टाऊन, सोनीपत तथा जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता, सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1960 माम जुलाई, 78 में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, रोहतक

तारीख : 6-2-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० जे-48/अर्जन—यतः, भुमे, अमर मिह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 23 व सं० नं० 172-डी है, तथा जो 17-बी हेस्टिंग रोड, इलाहाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्रीमती पोभा शोम व अन्य

(अन्तरक)

2. श्री जयन्त मरमा ।

(अन्तरिती)

3. पारम नाथ मरमा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट संख्या 23 स्थित तेवादा नतीबपुर व खतिवारा तहसील छैल व उस पर स्थित मकान नं० 172-डी स्थित निवादा 17 -बी हेस्टिंग रोड, इलाहाबाद भूमि का क्षेत्रफल 900.11 वर्ग मीटर तथा मकान का क्षेत्रफल 214.66 वर्ग मीटर स्थित इलाहाबाद व सम्पत्ति का सब विवरण जो फार्म 37 जो संख्या 1428 में बाणत है जो कि सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में 6-6-1978 को दर्ज है ।

अमर नाथ बिसेन,
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 7 फरवरी 1979

निर्देश सं० एन-27/79/अर्जन—यतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 291/1-2 है, तथा जो मो० बदली कटरा,
मीरजापुर मिट्टी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मीरजापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16 के अधीन, तारीख 30-6-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
8—496GI/78

1. श्रीमती गंगा देवी

(अन्तरक)

2. श्री गाराण दाम व श्री भगवान दाग

(अन्तरिती)

3. विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथक् सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता सन नं० 291/1-2 जो कि मो० बदली
कटरा शहर मीरजापुर में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब
विवरण जो कि गेल डीड तथा फार्म-37-नं० जो 2670 में
वर्णित है और सब रजिस्ट्रार मीरजापुर के कार्यालय में दिनांक
30-6-1978 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1979

निर्देश सं० एन-31/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 289/181 है, तथा जो मोतीनगर लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० नारायण मिश्री व श्रीमती कौणन्या (अन्तरक)
2. श्री हीरानन्द, देव किशन, धनक्याम दाम (अन्तरिती)
3. बिक्रेता (वह व्यक्ति, सिके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 289/181 जो कि मोतीनगर लखनऊ में स्थित है। सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि सेलडीड तथा फार्म 37-जी नं० 2916 में अंकित है तथा सब रजिस्ट्रार कार्यालय लखनऊ में दिनांक 8-6-1978 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 13-2-1979

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1979

निर्देश सं० पी-69/अर्जन/79—यतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एम० बी० 262 है, तथा जो सं० दीवान बीजार गोरखपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोरखपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्री शिव गोविन्द शर्मा, हरगोविन्द शर्मा व श्रीमती शिवपति कुंवरी ।
(अन्तरक)

3. श्री प्रभावती मल ।

(अन्तरिती)

3. बिक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान सं० एम० बी० 262 जिसका क्षेत्रफल 4000 वर्ग फुट है जो कि मोहल्ला दीवान बाजार जिला गोरखपुर में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि सेल डीड तथा फार्म 37-जी नं० 4390 में अंकित है । तथा सब रजिस्टार कार्यालय गोरखपुर में दिनांक 7-6-1978 को दर्ज है ।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 13-2-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एर्नाकुलम,

कोचीन-16, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एल० सी० 250/78-79—यतः मुझे वी० मोहनलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो चावक्काड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोट्टपडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

आयः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1)

1. (1) श्री अम्मूहाजी
(2) श्रीमती नवीसा

(अन्तरक)

2. श्री एन० के० नाणू

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1.22 acres of land with buildings vide document No. 604/78 of SRO Kottappady.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एर्नाकुलम

तारीख : 23-10-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 8 नवम्बर, 1978

निदेश सं० एन० सी० 259/78-79—यन: मुझे वी०
मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो ओरुमनयूर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चावक्काड में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
20-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० एम० कृष्णन अय्यर

(अन्तरक)

2. श्रीमती सी० एम० सुह्राबी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

82 cents of land vide schedule attached to document No.
806/78 of SRO Chavakkad.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-11-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम;

कोचीन-16, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निदेश सं० एन० सी० 260/78-79—यतः मुझे वी० मोहनलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो ओरुमनपूर में स्थित है (और इनमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चावक्काड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (198 का 16) के अधीन 8-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० एस० कृष्णन अय्यर

(अन्तरक)

2. श्री पी० के० तूरुदीन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

79 cents of land vide schedule attached to document No. 772/78 of SRO Chavakkad.

वी० मोहसलाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल० सी० 266/78-79—यन: मुझे वी०
नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो त्रिचूर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय त्रिचूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
16-6-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य व्यक्ति यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री मंगला देवी अम्मा तथा अन्य

(अन्तरक)

2. श्री के० पी० रवीन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

Land and buildings as per schedule attached to document
No. 2687 of SRO Trichur.

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, एरणाकुलम

तारीख 16-11-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 20 नवम्बर, 1978

निदेश सं० एल० सी० 269/78-79—यतः मुझे के०
नारायणमेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य

25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो त्रिचूर में
स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय त्रिचूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
14-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घर या अन्य आस्थियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० नारायणन

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रा बालकृष्ण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

60 cents of land with building vide document No. 2713/78
dated 14-6-1978 of SRO, Trichur.

के० नारायण मेनोन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 20-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 5 फरवरी, 1979

निदेश सं० एल० सी० 287/78-79—यतः मुझे के०
नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी ० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो कालिकट में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोषिकोड में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
29-6-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का
पञ्चद्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी हितो प्राय या किमो धन या अन्य प्राप्ति
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थातः—

9—496G1/78

1. श्री के० बी० जी० रावू एस्टेट (HUP)
(अन्तरक)
2. श्री के० मुसा हाजी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

† right over the first and second floor of the building as
per schedule attached to document No. 580/78 of SRO,
Kozhikode.

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 5-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नायबालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० ए०आर०-I/3063-11/मई-78—अतः मझे वही० एस० शेषाद्रि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० पर 184, 185 एण्ड 186 है तथा जो कमलनगर और बरलाडीहीन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22- -1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) (1) मधसूदन डी० सेठीय
- (2) भारत कुमार शीवाजी सेठीया
- (3) सुरेन्द्र डी० सेठ

(अन्तरक)

2. ग्रीन लाडीवाला को० प्रा० अपार्टमेंट को० हाउसिंग सोसायटी ।

(अन्तरिती)

3. सोसायटी के सदस्य ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2872/बाम्बे/72/बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27-6-78 को रजिस्टर गया है ।

वही० एस० शेषाद्रि

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बम्बई ।

तारीख : 19-12-78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निदेश सं० ए०सी०एन०-23-I-1779(778)/12/2/77-78—यतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 11 है तथा जो नागरिक सोसायटी, विजयनगर, एरिया, भुज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रत्नाकर जादवराय धोलकिया,
डा० राजेन्द्रकुमार प्रताप राय धोलकिया, के कुलमुख्याय
नागरिक सोसायटी, भुज।

(अन्तरक)

2. श्री उमेशलाल मगनलाल,
श्री मगनलाल परपोतम बजाणीया के कुल मुख्तयार
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 500 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन पर स्थित है जिसका प्लॉट नं० 11 तथा म्युनिसिपल नं० 10/7/32 है, जो नागरिक सोसायटी विजयनगर एरिया, भुज में स्थान जिसका पूर्णवर्णन 5-6-1978 को रजिस्ट्री किये गये विक्रय दस्तावेज नं० 804 में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

सं० ए०सी०क्यू० 23-1-1784(782)/16-6/77-78—

अतः मझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 154 है, तथा जो श्रमजीवी को० ओ० हाउसिंग सोसायटी, स्ट्रीट नं० 6, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-6-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्री सीणाभा आनन्द भाई काचा
रामनगर, मेईन रोड, गोंडल रोड,
राजकोट ।

(अन्तरक)

2. श्री भगनलाल कल्याण भाई शैठ
श्रम जीवी सोसायटी,
मार्ग नं० 6, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

'गोकुल निवास' नाम से प्रख्यात दो मंजिल का मकान जो 300-00 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन पर खड़ा है जिसका प्लॉट नं० 154 है, और जो श्रमजीवी को० ओ० हाउसिंग सोसायटी, स्ट्रीट नं० 6, राजकोट में स्थित है ।

एस० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख 12-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी०आर० 62/19382/78-79/ए०सी०क्यू०—

यतः मुझे पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/ए, और 1/ए-1, 1st मेंन है तथा जो रोड, श्रीकंटा-ले-ओट, बंगलूर-560001 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 19-6-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सरस्वती शांता रामकृष्णन, पत्नि श्री एम० रामकृष्णन,
1/ए, श्रीकंटा ले-ओट, बंगलूर । (अन्तरक)
2. (1) के० बेंकटेश नायक सुपुत्र के० माधव नायक
(2) के० पुडालीक नायक } के० बेंकटेश नायक
(3) ऐ० पांडुरंग नायक } नं० 1/ए, और
(4) के० हरीश } 1/ए-1, मेंन
श्रीकंटा-ले-ओट बंगलूर । (अन्तरिती)
3. मैसर्स पावनगेरे शुगर मिल्स लिमिटेड,
फर्स्ट फ्लोर, 1-ए, और 1-ए-1, फर्स्ट मेंन रोड,
श्रीकंटा-ले-ओट, बंगलूर ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पन्ध्र में कोई भी प्राप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

[वस्तावेज सं० 944/78-79, तारीख 19-6-78]
सारा सम्पत्ति सं० नं० 1/ए, और 1/ए-1, फर्स्ट मेंन रोड
श्रीकंटा-ले-ओट, बंगलूर-56009 (डी एन० नं० 44)

चकबन्दी :

पूर्वः 'फ्रेजंट' रोड,

पश्चिमः खाली जगह का नं० 19/ए

उत्तरः 50' रोड और

दक्षिणः चन्न बसवगोंडा, के आस्ति

पी० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 25-11-78

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी०आर० 61/19433/78-79/ए०सी०क्यू०—
यतः मुझे पि० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाली जगह का नं० है तथा जो 7/6
बिन्न मंगला ले और I स्टेज बंगलूर में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तिर्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जियाउल्ला मैकय सुपुत्र आरिफुल्ला मैकय
नं० 49 खाजी स्ट्रीट बसवानागुडा बंगलूर-4
(अन्तरक)

2. श्रीमती सरस्वती पौल पत्नी शंकर पौल
नं० 1/18, मसूर रोड, हनुमनबा ले आउट,
बंगलूर-56
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 922/78-79 तारीख 30-6-78)

सारा खाली जगह का नं० 716, बिनामंगला पहली सटेज
बंगलूर।

चकबन्दी :

पूर्व : खाली जगह का नं० 717

दक्षिण : खाली जगह का नं० 715

पश्चिम : रोड और

उत्तर : रोड।

पि० रंगनाथन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 12-12-78

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 जनवरी 1979

निदेश सं० सी०आर० 62/19183/78-79/ए०सी०क्यू०/बी

—यतः मुझे पि० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 507, है तथा जो 45 करास 5 ब्लाक,
जयानगर यकस्टेशन बंगलूर-II में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जयानगर, बंगलूर दस्तावेज सं० 670/78-79 में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
8-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० शंकर सुपुत्र स्व० श्री पि० सुरयानारायणा सद्दी
सं० 370, प्यलेम, अपपर अरत्ताखम,
बंगलूर-6। (अन्तरक)

2. श्रीमती अनसु अषाक अमीन
पति श्री अशोक बि० अमीन
सं० 196, 38 क्राम, 5 ब्लाक, घयानगर,
बंगलूर-11 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 670/78-79 तारीख 8-6-1978)

खाली जगह जो 507.78 स्क्वायरमीटर है सं० 507 जो
45 करास, 5 ब्लाक, जयानगर, बंगलूर-II में है।

बौनडारीस :

पूर्व : साइट सं० 506

पश्चिम : साइट सं० 510

उत्तर : 45 करास रोड, और

दक्षिण : राहत सं० 508

पि० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 जनवरी 1979

निवेश सं० सी०आर० 62/19400/78-79/सी०क्यू०/बी-

—यस: मुझे पि० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9 ब्लॉक सं० 18 है, तथा जो अपनीनी रोड, मदीकेरी टौन, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदीकेरी तालुक, कुडागू डिस्ट्रिक्ट-571201 मरकेरा दस्तावेज सं० 416/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

1. (1) श्री सि० वि० सवाईवा राव

सुपुत्र सि० यन वेनकापाया

(2) श्री सि० वि० शंकर,

सुपुत्र सि० यन वेनकापाया

(3) श्रीमती सि० एस० कावेरीयममा

पत्नी सि० वि० श्रीबीवा का राव

(4) श्री मि० एस० आनन्दाया

उनकी मां मि० एस० कावेरीयममा प्रसन्न कर रहे हैं।

(5) यमोना एस० राव और अब यमोना कोडेकाडा

मुपुत्री सि० एस० श्रीनिवासा राव और पत्नी

न० कोडेकाडा और उनकी मां प्रेसन्न कर रहे हैं सी० म० कावेरीयममा

(6) श्रीमती गायतरी शाशोधर,

पत्नी श्री के० जी० शाशोधर, सं० 13, पाटरी

रोड, रिचर्ड्स टाउन बंगलूर श्रीमती सि० एस०

कावेरीयममा,

सबका पता : स्कूल रोड, मदीकेरी,

कुडागू डिस्ट्रिक्ट। (अन्तरक)

2. श्रीमती सि० ये० पुन्नम्मा, पत्नी सि० बी० शंकर सिङ्गी-केट बैंक, मदाकेरी, कुडागू डिस्ट्रिक्ट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रबल होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 416/78-79 तारीख 30-6-1978)

एक एकड़ जमीन जो सरखे सं० 9 तथा जो 1.61 एकड़ जमीन में थी उसके साथ एक घर 1800 वर्ग गज क्षेत्रफल खपरेले का बना हुआ है? वह ब्लॉक सं० 18 मदीकेरी टौन म्युनिसिपैलिटी मदीकेरी तालुक कुडागू डिस्ट्रिक्ट में है। अकबन्दी :

पूर्वोक्त जमीन सरखे सं० 9 और जमीन जो सरखे सं० 13/1, 13/2 और 14 में है।

पश्चिम : जमीन सरखे सं० 515/3 और 18/4

उत्तर : जमीन सरखे सं० 10, 514, 515/3 और

दक्षिण : जमीन सर्वे सं० 18/4

पि० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 6-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जनवरी 1979

निदेश सं० सी० आर० 62/19179/78-79/ए०सी०व्यू०

बी—यतः मुद्रा पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० आर० एस० 692/ए० टि० एस० सं० 106/ए० है, तथा जो थिथिलेषवरा वारड, थिथिलेषवरा टेम्पल रोड, कसाबा बाजार, विलेज मंगलूर-1 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर दस्तावेज सं० 216/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित:—

1. श्री के० देवादास कामथ सुपुत्र श्री आर० रामाराया कामथ थिथिलेषवरा टेम्पल रोड, मंगलूर सिटी-1 (अन्तरक)

2. श्री पि० सुबराया कामथ

3. सुपुत्र पि० विट्टाला कामथ

छमबूर रोड, गोलोकट्टा बाजार, मंगलूर। (अन्तरिती)

3. (1) बेंकटेश प्राणू
- (2) कृष्णा मलाया
- (3) मट्टी कृष्ण प्राणू
- (4) बापटिस्ट लाबू
- (5) वासुदेवा पाये
- (6) सिरिनीवासा पाये
- (7) श्रीमती राधा बाये
- (8) श्रीमती लालिता बाये

थिथिलेषवरा वारड, थिथिलेषवरा टेम्पल रोड, कसाबा बाजार, विलेज, मंगलूर-1

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 216/78-79 तारीख 7-6-78

सर्वे सं० आर० एस० 692/A, टी० एम० सं० 106/ए वर सम्पत्ति जो थिथिलेषवरा वारड, थिथिलेषवरा टेम्पल रोड, कसाबा बाजार विलेज, मंगलूर-570001 में है।

चकबन्दी :

बाउन्ड्रीज :

पूरब : सम्पत्ति आर० एस० सं० 103 और 108

पश्चिम : थिथिलेषवरा टेम्पल वारड,

उत्तर : सम्पत्ति आर० एस० सं० 104/ए

दक्षिण : सम्पत्ति आर० एस० सं० 107

पि० रंगानाथन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 8-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1979

निदेश सं० सी० आर० 62/19188/78-79/ए०सी०क्यू०/बी

—यतः मुझे पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नया 37 और पुराना 51 है, तथा जो लिंगाराघापुरम अशोका रोड, सेंट थामस टौन, बेंगलूर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बेंगलूर, दस्तावेज सं० 75/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

1. श्री यूरोन पिटर बरड सुपुत्र एच०आर० बरड
37, अशोका रोड, सेंट थामस टौन, बेंगलूर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती नजमुननिगा (नजमा) पत्नी अकबर अली खान
11/1, बोर बैंक रोड, बेनमन टौन, बेंगलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 756/78-79 तारीख 9-6-1978)
जमीन और घर के साथ तथा जो सर्वे सं० 11 लिंगाराघा पुरम, नया सं० 37 (पुराना सं० 50) अशोका रोड, सेंट थामस टौन, बेंगलूर (49 डिब्बोजन)।

पूरब : अशोका रोड,

पश्चिम : मेटरनिटी होम।

उत्तर : एस० ये० डी० मिलवाम का घर

दक्षिण : सं० 1 हेननूर रोड

पि० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 9-1-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 9 जनवरी, 1979

निदेश सं० सी०आर० 62/1919 4/78-79/ए०सी०क्यू०/

बी०-यत: मुझे पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिमकी सं० 15 (पुराना 631) है तथा जो 17 ए क्रॉस,
10 ए मेन मलेश्वरम, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर, दस्तावेज सं० 1152/78-79
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
19-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बांतिर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पि० एस० वंकाटाचलम
सं० 193, 14वीं मेन रोड, वासन्तानगर
बेंगलूर-52

(अन्तरक)

2. श्री के० रंगानाथन

सं० 296, 16वीं क्रॉस, सदाशिवानगर,
बेंगलूर-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1152/78-79 तारीख 19-6-1978)
घर सम्पत्ति सं० 15 (पुराना सं० 631) है तथा जो
17 ए क्रॉस 10वीं ए मेन मलेश्वरम बेंगलूर-3
बाउन्ड्रीस:

पूरब: 10 ए मेन

पश्चिम: श्री एम० आर० सुब्बाराव का घर

उत्तर: घर सं० 460/3

दक्षिण: 17 वीं ए० क्रॉस।

पि० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 9-1-1979

मोहर:

प्रकृप आई०टी०एन०एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1979

निदेश सं० सी०आर० 62/19430/78-79/ए०सी०क्यू०/बी/
—यतः मुझे पि० रंगानाथन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिनकी सं० 22 और पुराना 96/2 है, तथा जो आज तथा
टेमपल स्ट्रीट, VI क्राम, आसटिन टोन, बेंगलूर-7 डिवीजन-61
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर,
बेंगलूर दस्तावेज सं० 906/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 23-6-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से लेने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख्य
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या।

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँतः—

1. मिसेज रीना शंकर

(इसके आगे मिम रीना)

सं० 14,27/3, नाहर, जुहू रोड,
बाम्बे-400054

(अन्तरक)

2. (1) मिसेज मारीना नरोनहा,

(2) मिस्टर नोयल डे नजारथ,

सं० 22, केयास्टल स्ट्रीट, बेंगलूर-47

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 906/78-79 तारीख 28-6-78)

जमीन और घर सं० 96/2 पुराना और सं० 22,
अनिजानेया टेमपल स्ट्रीट, VI क्राम, आसटिन टोन,
बेंगलूर-560007

बाउन्ड्रीज :

पूर्व : घर सं० 3

पश्चिम : घर सं० 1

उ० आनजनेया टेमपल स्ट्रीट

वक्षिण : सम्पत्ति सं० 2

पि० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 9-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जनवरी 1979

निदेश सं० सी०आर० 62/19203/78-79/ए०सी०क्यू०/बी/

यतः मुझे पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम०सं० 38/2 और नया 130/2, 130/3 और 130/4 है तथा जो चिकाहल्ली विलेज बरना हीबली महमर टालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महसूर टालुक, दस्तावेज सं० 466/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन सिरसलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एस० मल्लण्णा सुपुत्र मल्लण्ण, चिकाहल्ली विलेज, महसूर टालुक ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एम० थियागराव
(2) श्री एम० वंकाटेशा गौडा
(3) श्री एम० राजाषेकारा गौडा
(4) श्री एम० पप्रामन्ना कुमार
पता : थुमकदेवनाहल्ली बेलूर
टालुक हासन डिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 466/78-79 तारीख 22-6-1978)

खाली जगह घर के माथ सब सं० 38/2 उसके बाद सं० 130/2, 130/3, और 130/4 चिकाहल्ली विलेज बरना हीबली, महसूर टालुक ।

पि० रंगानाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 8-1-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1979

निर्देश सं० सी० आर० नम्बर 62/20367/78-79/
ए० सी० क्यू०/बी०—यतः मुझे पि० रंगानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,
और जिसकी सं० 284 है, तथा जो 36 वीं फ़ास बलाक
अयानगर बेंगलूर-II में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जयानगर बेंगलूर दस्तावेज सं० 1026/78-79 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 28-6-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, यथातः—

1. श्री बि० वि० बंकाटप्पा, सं० 174, 2री सि० मेन
रोड 8वीं बलाक (यदीपूर) बेंगलूर-4 (अन्तरक)
2. श्रीमती के० विमलममा श्रीमती श्री के० एम० सुदर्शन
रामेश्वरा टेम्पल, मेन रोड, चामराथपेट बेंगलूर (अन्तरितों)
3. श्री (1) श्री वि० एस० अथवत पुत्र वि० बासुदेवामूर्ती
(2) श्री सि० एन० चन्द्रावैकेर पुत्र सि० नारायण अहर
36वीं फ़ास : 284, (4) बलाक जयानगर एक्सटेंशन बेंगलूर
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
हिपो अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वोटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1026/78-79 ता० 28-6-1978)..

घर सम्पत्ति सं० 284 है जो 36वीं फ़ास, 7वीं बलाक,
जयानगर, बेंगलूर-II

बाउन्ड्रीज : पूर्व : साइट सं० 285

पश्चिम : साइट सं० 283

उत्तर : साइट सं० 279

दक्षिण : 36वीं फ़ास रोड

पि० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 9-1-1979

मोहूर :

प्रारूप धार्मिक डी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 12 जनवरी 1979

सं० निर्देश सी० आर० न० 62/18796/78-79/
एसीएच/बी०—यतः मुझे पि० रंगानाथन
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 36 और 37 है, तथा जो बसावणा लेन, कावडी
रेवन्ना पट्टी पेट बंगलूर-2 डि० सं० 42 में स्थित है और इससे
उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर बंगलूर दस्तावेज सं० 807/
78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन ता० 8-6-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अक्षरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अक्षरक (अक्षरकों) और अक्षरिती
(अक्षरितियों) के बीच ऐसे अक्षरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्षरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अक्षरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अक्षरक के बाधित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अक्षरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा
के लिए;

यतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित धारित्वों, अर्थात् :—

1. (1) श्री आर० बस्मप्पा

(2) श्रीमती गंगम्मा

(3) बी० भारत

सं० 37 बसावणा लेन कावडी रेवन्ना पट्टी पेट बंगलूर-2
(अक्षरक)

2. एस० नरासिमहेया पुत्र पोषायी सिंहनासिगप्पा सं० 22
पट्टापी रामाबाषतरी लेन नगरथपेट क्रास बंगलूर-2
(अक्षरिती)

3. (1) श्री महेन्द्रा कुमार

(2) जे० बागेन्द्रा

(3) श्रीमती कमलम्मा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्रावण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के धार्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस धार्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 807/78-79 ता० 8-6-1978)

धर सम्पत्ति सं० : 36 और 37 बसावणा लेन, कावडी
रेवन्ना पट्टी पेट, बंगलूर-2 (डिवीजन-42)

पि० रंगानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 12-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 जनवरी 1979

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/20394/78-79/ए० सी० क्यू०/बी—यतः मुझे पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सरवे, 94, 95 और 96 है, तथा जो कोडीहल्ली विलेज एच० ए० एल० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर बंगलूर दस्तावेज सं० 1181/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 2-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. (1) श्री० एस० सुन्दाभूती
- (2) एस० जनमोगम पुत्र लेट एस० वी० सुब्बरामनयम सं० 23, एम जी० रोड, बंगलूर 560001 (अन्तरक)
2. मेटल लियायम क्वापरन (इन्डिया) लिमिटेड, सं० 2, मरफी रोड अलसूर बंगलूर-560008 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोद्घातकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1181/78-79 ता० 2-8-1978)

सर्वे सं० 94, 95, 96 में जमीन जो० 14061 स्क्वयर मीटर है और उसके साथ 212 स्क्वयर मीटर घर भी है की कोडीहल्ली विलेज एच ए एल II स्टेज बंगलूर में है।

बाउन्ड्रीज :

पूर्व : 80 फिट रोड

पश्चिम : सरवे सं० 93

उ० : सि० आई टी० बी० लयान्ड

द० : एम० एल० सी० (आई०) (पि०) लिमिटेड लयान्ड

पि० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 11-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० एम० सी० /78-79/112—यतः— मुझे
जी० एल० गारू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
धर्म के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सक्कान नं० 13791 है, जो कटरा अहलुवालिया
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 19 जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किराया आय भी वास्तव उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाधिरस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
अध्याय (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
11—496GI/78

(1) श्रीमती कमलावती विववा श्री लाल चन्द वा केवल
खशा मुदर्शन, जनकराजवा पीपीना कटरा अहलुवालिया,
अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री जनक राज मेहरा पुत्र देवराज मेहरा, 376-
बटाला रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है और यदि कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि कोई पुरुष इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1. सक्कान सम्पत्ति नं० 1379 / कटरा अहलुवालिया,
अमृतसर, जैसा रजि० डीड नं० 838 दि० 5-6-78 रजिस्ट्रीकर्ता
अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारू,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज अमृतसर

तारीख: 6-2-1979

मोहर:

प्रारूप धारा ० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/78-79/113—यतः

मुझे जी० एल० गारू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 435 ए है, जो ग्रीन एवनीयू, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :—

1. श्रीमती सुरजीत कौर दुखतर हरवंस मिह ग्रीन एवनीयू अमृतसर । (अन्तरक)

(2) श्री हंग राज पुव श्री धर्म देव निवासी चौक करमो डियारी, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि सीरीयल नं० 2 में है और कोई किराएदार हो तो । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोदृष्टाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुमोदी

सकान की जायदाद नं० 435 ए जोकि ग्रीन एवनीयू अमृतसर जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 918 तिथि 9-6-78 आफ रजिस्ट्रार-अथारटी अमृतसर शहर में है ।

जी० एल० गारू,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-2-1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/78-79-114—यतः मुझे जी० एल० गारू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है, जो ख० नं० 1342, 43 व 44 मुल्तान विंग रोड अमृतसर में स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जून 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० पूर्ण एण्ड सन्स, द्वारा सर्वजीत सिंह पुत्र स पूर्ण सिंह वा श्रीमति कुलदीप कौर विधवा जोगिन्दर सिंह अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री के० बी० मशीन फैक्टरी, मुल्तान गिड रोड अमृतसर (अन्तरित)

(3) जैसा कि उपरोक्त नं० 2 में है, और कोई किरायेदार होता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुची रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 425 वर्ग गज जो कि मुल्तान विंग रोड अमृतसर पर है जैसा कि रजिस्ट्री नं० 889 दि० 8-6-78, रजिस्ट्री कर्ता अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारू

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर।

तारीख : 6-2-79

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—अ

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० (बी० टी० एन०/78-79/115— यतः,
मुख्य जी० एन० गाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी
सं० कृषि भूमि 31-के०-19¹/₈ एम० भाग 190 के० 19 एम० का
जिसमें गाट 2 के० 0 एम० 1/2 भाग 6 के० 0 एम० था जो
कि किला देसा मिह जिसमें एक कमरा भी साथ है जो कि तहसील
बटाला में स्थित है और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जून 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निबन्ध में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एमो किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बूटा सिंह पुत्र मकमूदन सिंह गांव देसा मिह तहसील
बटाला, जिला गुरदासपुर। (अन्तरक)

(2) (1) श्री बलवन्त सिंह

(2) श्री बीराजिन्दर पाल मिह पुत्रान हरबंस सिंह
गांव तलवंडी मर्थ, तहसील बटाला। (अन्तरिनी)

(3) जैसा कि सीरीयल नं० 2 ऊपर में और कोई किरायेदार
होती (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोस्ताक्षरी जानता
है)

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो
तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 63 के० 13 एम० $\frac{1}{4}$ share of 190 के०
19 एम० जो कि किला देसा मिह 320 तहसील बटाला, जिला
गुरदासपुर जैसा कि रजिस्ट्री डीगं नं० 2858 आफ जून
1978 रजिस्ट्रींग अथारटी बटाला में दर्ज है।

जी० एन० गाह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, अमृतसर

तारीख : 6-2-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1979

निदेश सं० BTL/78-79/110— यतः, मुझे जी० एल०
गारु,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इस अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्रतीक नंबर न० 100/100, बटाला, जिला गुरदासपुर है
जो भूमि किताबें में Including Room में स्थित है (और
इसमें उल्लेख अन्तर्गुह में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जून 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण को गड़ी है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य,
उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बूढासिंह पुत्र मकसूदन सिंह, गांव : देशा सिंह तहः
बटाला, जिला गुरदासपुर (अन्तरक)

(2) सुरिन्द्रपाल सिंह पुत्र हरबन्स सिंह, गांव तलवण्डी
मरव, तहः बटाला जिला गुरदासपुर द्वारा हरबन्स सिंह पिता
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपरोक्त नं० 2 में है (यदि कोई किराएदार
हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता
है)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अन्तर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि 31 कनाल 17 मरले 1/6 हिस्सा, 190
कनाल 19 मरले वा गत्या 2 कनाल 1/3 हिस्सा, 6
कनाल का गां० देशासिंह साथ में कमरा जैसा कि रजिस्ट्री-
नं० 2948 दि० जून 1978 रजिस्ट्रीकर्ता बटाला में

जी० एल० गारु

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-2-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए० सी० यू०/86/78-79—
अतः मुझ एम० वि० आर० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० मालिक मकबूजा प्लॉट 100×112.6" तथा
मकान नं० 10 है 4 (पुराना) तथा 285 (नया) है तथा जो
धरमपेठ नागपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 27-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वाबत, उक्त अधिनियम;
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० वि० अमराणी, पिन्सिपाल गर्हमैट आर्ट्स
ग्रंथ सायन्स कालेज औरंगाबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती कुसल मोहिन्द्र बोस खरे टाऊन, नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मालिक मकबूजा प्लॉट एरीया 11.250 चौ० फु० तथा
बिल्डिंग एरीया 3482.77 चौ० फु० धरमपेठ, जिसका
मुनसिपल मकान नं० 1094 (पुराना) तथा नया मुनसिपल
मकान नं० 285, सर्कल नं० 20 डिस्ट्रिक्ट नं० 8 नागपुर
ईस्ट ब्लॉक (डी०) प्लॉट नं० 2 एस० के० कुटी लेआउट,
नागपुर।

एम० वि० आर० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 15 दिसम्बर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 जनवरी 1979

निर्देश सं० ए०सी०/रेंज-I/कल०/1979—यतः मुझे, आई० भि०
एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

र० से अधिक है

और जिनकी सं० 159, है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता, में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मियालटद कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 30-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सिम रजि विश्वास 159, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता-17
(अन्तरक)

2. श्री (1) साहामाहा पारमम (2) तारिक, महाद
(3) तालान मदभट (4) ताहिर महामेट (5) तालान,
महमुद (3) पीदार लेन, कलकत्ता-12 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

159 पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित, 6 कट्टा 8
छटाक, 13 वर्ग फिट जमीन पर तिन तल्ला भवन जो
30-6-1978 तारीख में 712 डीड न० अनुसार रजिस्ट्र
हुआ।

आई० भि० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

54, रफीग्रहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 28-1-1979

मोहर :

प्राकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 3 जनवरी 1979

निर्देश सं० 434 /एकु० III/78-79/कल०—अतः मुझे,
भास्कर मेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रु० से अधिक है और जिसके सं० फ्लैट-ए सातवीं

मंजिल पर है तथा जो 2, मन्डेमिल गाउँनेस, कलकत्ता
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 26-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण केलिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

का धारा 269 उधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes (P) Ltd.,
6, Harrington Street,
Calcutta-16.

(2) Sm. Chhabi Mitra
Sri Ranjit Mr. Mitra &
Sm. Basanti Ghosh,
all of 22/6, Monoharpukur Road, Calcutta.
(Transferees)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुच्चा फ्लैट ए सातवीं मंजिल सं० तल्लापर जो 2
मन्डेमिल गाउँनेस, कलकत्ता पर अवस्थित "जयजयन्ति" नाम का
मकान में स्थित है।

भास्कर मेन,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज-III
54 रफीप्रहमद किदवई रोड,
कलकत्ता-16

दिनांक : 3-1-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 3 जनवरी 1979

निर्देश सं० 433/एफुरेIII/78-79/कल०—अतः मुझे
भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा तो 2 मन्डेमिल
गार्डेंस, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमा करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Scheme (P) Ltd.,
6, Harrington Street,
Calcutta-16.

(2) Aruna Roy,
1A, Silpi Nitai Pal Lane,
Calcutta-5.

(Transferees)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुच्च फ्लैट सं० तल्लापर जो 2 मन्डेमिल गार्डेंस,
कलकत्ता पर "अवस्थित" जयजयन्ति नाम का मकान में स्थित
है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III
54, रफीग्रहमद किदवई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 3-1-1979
मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एन०-----

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाष्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 जनवरी 1979

निर्देश सं० 435/एकुरेIII/78-79/कल०—अतः मुझे, भास्कर सेन, भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट एक० छठी मंजिल पर है तथा जो 2, मन्डे-मिला गार्डनस, कलकत्ता स्थित है (और इसे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1978 को दूनाका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्घरण से उक्त परचरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करके या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या कितो धन या अन्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मै० सैलोनी ओनरजिप फ्लैट्स स्कीमस् प्रा० लि० 6, हैरिंगटन स्ट्रीट, कलकत्ता-16 (अन्तरक)
श्रीमती कानीका साहा 225 बी० राधा बिहारी एबीनीयू कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यक करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बा० में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के तहत परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा फ्लैट सं० एक० छठी मंजिल तत्सापर जो 2, मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता पर अवस्थित अजययन्ति नाम का मकान में स्थित है।

भास्कर सेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाष्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-III
54, रफीअहमद किरवई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख 3-1-1979 :
मोहर :

प्रकरण साई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० नं० (37) रेंज-I कलकत्ता
1978-79—यतः मुझे, एस० सी० यादव,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० महेशतला डि० 24 परगना पास है तथा
जो मोजा सम्पा मिरजानगर पि० एस० स्थित है (और
इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयचंद श्रोत रजिस्ट्रार आफ
मालीपुर, बेहाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-1978
को पूर्वन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिकल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी कृषि आय या कृषि धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :--

(1) श्री राजेन्द्र प्रसाद सांगानरिया (2) जलित मोहन
सांगानरिया (3) श्रीमति नर्मदा देवी 3-बी शक्ति आमेद किववाई
रोड, कलकत्ता-13 (अन्तरक)

(2) मेसर्स श्रीज श्रील इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि० 3 बी
शक्ति आमेद किववाई रोड, कलकत्ता-13 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त नगरों के प्रभु के
लिए कार्यावाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रभु के पञ्चम में कोई भी पात्रेय--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मोजा सम्पा मिरजानगर, पि० एस० महेश. तला, डि
20 परगनापास में अवस्थित 1.13 एकड़ जमीन है।

ए० सी० यादव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज कलकत्ता
54, रफीअहमद किववाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 22-2-1979
जोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० नं० 38 रेंज-II, कल० 1978-79—यतः मुझे, एस० सी० यादव, आयकर अधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 7-ए है तथा जो बलमोदिया रोड आलीपुर पि० एस० आलीपुर, कलकत्ता, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एसोरेन्सस कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रातफल से, एस दृश्यमान प्रातफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) भन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसा किसी धाय या किसी धन या धन्य धातुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात् भन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः प्रय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अपिता मिश्र 18/2, टालीगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता (भन्तरक)

2. कविता मंडल और दीनबंधु मंडल, 63/3ए० आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रोड, कलकत्ता (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पद्योद्देश्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7-ए बलमोदिया रोड, आलीपुर, पि० एस० आलीपुर कलकत्ता में 3 कट्टा वाली जमीन का साथ भूरेज है।

एस० सी० यादव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेंज, कलकत्ता
54, रफी अहमद कदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जनवरी 1979

निर्देश सं० 481/एकुरे-III/78-79/कल०—अतः मुझे, भास्कर सेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 8/मी० है तथा जो बिल्पबी पुलिन दाम स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अमिता राय 26 बि, कालिदास मिनी लेन, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्रीमती सिमा महाचार्य 8 सि०, बिल्पबी पुलिन दाम स्ट्रीट कलकत्ता (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त जम्में और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 कट्टा 1 छंटाक 21 स्क्रो० फीट जमिन साथ उत्तर बनाया महान जो सं० 8 सि०, बिल्पबी पुलिन दाम स्ट्रीट, कलकत्ता पर अबस्थित।

भास्कर सेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कलकत्ता
54, रफीग्रहमद किदवई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 17-1-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० 41 रेंज/कलकत्ता/1978-79—यतः मुझे, एस० सी० यादव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 1 है तथा जो पंचानन तला सेन वेहासा कल०-45 स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सबरजिस्ट्रार आलीपुर, सदर, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात्:—

1. श्री शैलेखर चाटुर्जी (अन्तरक)
2. श्री विमलेन्दु घोष और अमलेन्द घोष (अन्तरिती)
3. श्री अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (1) पंचाननतला सेन वेहासा, कलकत्ता 34 में 1/3 अंश है। जमीन का परिमाण 2 कटा 13 छंटांग।

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता
54 रफीअहमद किरवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 18-1-1979

मोहर :

प्रकाश सं० टी० ए० ए०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को द्वारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 जनवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० 42 रेंज- /कल०/1978-79—यतः मुझे, एस० सी० यादव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 18 के० है तथा जो आलीपुर रोड, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एसोरेन्सेस कलकत्ता, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब का उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स प्रनब इन्वेस्टमेंट (एम० पी०) लि० (अन्तरक)

2. श्री रवीन्द्र नाथ मिश्र (अन्तरिती)

3. श्री अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मातर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सम्पत्ति नं० 18, के आलीपुर रोड, कलकत्ता में अवस्थित 6.0250 कट्ठा जमीन है।

एस० सी० यादव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन-II रेंज, कलकत्ता
54, रफीग्रहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 20-1-1979

मोहर :

प्रसूच आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० एल० एल० 477/टी० आर० 483/सी०-436/कल० 2/78-79—अतः मुझे, आई० मि० एस० जुनेजा, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो ओरियन्ट रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी जन या धर्म यास्तिधों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मन्जुला बोस (अन्तरक)

2. श्रीमती मानसी रायचौधुरी (अन्तरिती)

3. मै० निर्लेन सिन्धेटिक को० (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

करीब 450 स्की० फुट जमीन जो 3 कट्टा 2 छटाक
जमीन साथ उसपर बनाया दो तल्ला मकान का अंशविशेष
और जो 3, ओरियन्टरी, कलकत्ता पर अवस्थित । इस अन्तरम
सब-रजिस्ट्रार, सियालदह द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं०
I 3484/1678 का अनुसार है ।

आई० मि० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

54, रफीअहमद किववई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 5-2-1979

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस० ———

1. श्री हेमन्द्र चन्द्र मजुमदार (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० मि० 52/रेंज कल०/1978-79—

यतः मुझे एम० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 77 है तथा जो स्टेशन रोड, बार्नपुर जिला वर्धमान स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगनसोल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-6-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिकाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तित्वों, अर्थात्:—
13—496GI/78

2. श्री अजित कुमार पाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

77 स्टेशन रोड, बार्नपुर, जिला वर्धमान के 2 42 कट्टा जमीन साथ मकान जैसे के सं० दखिल सं० 3597 (1978 का) में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दासगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

54, रफीजहमद कदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 6-2-1979

मोहर:

प्रकट आई टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 मार्च 1979

निदेश सं० बी० डी० आर०/3/78-79—अतः मुझे
रवीन्द्र कुमार पठानिया, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 17,714 वर्ग गज है, तथा जो
बहादुरगढ़, नजफगढ़ रोड, बहादुरगढ़ में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बहादुरगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सीताराम पुत्र श्री मन्ना लाल
बहादुरगढ़ (जिला रोहतक)।

(अन्तरक)

2. मै० इन्डियन मैंगमी, एंजेलोज प्रा० लि०

एस-49, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली-110027।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जोकि भूमि प्लॉट रकबा 17714 वर्ग गज है तथा
जोकि बहादुरगढ़—नजफगढ़ रोड, बहादुरगढ़ (खमरा नं०
1236/2, 1237 तथा 1242) पर स्थित है और जैसे कि
रजिस्ट्रीकर्ता बहादुरगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 421,
तिथि 26-8-78 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

तारीख 3-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० बी० जी० आर०/8/78-79—अन०, मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमिरकबा 61 कनाल, 5 मरले है तथा जो
सराय ख्वाजा, फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बल्लभगढ़, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री हरि राम पुत्र श्री जीवना
- (2) श्री बुद्धा पुत्र श्री केा
- (3) श्री लाल सिंह पुत्र श्री खेमा
- (4) सर्वश्री रूप सिंह, दुर्गा पुत्रान श्री गिरधारी
- (5) श्रीमती गौरी पुत्री गिरधारी
- (6) श्री भीमा पुत्र श्री जीवनशम
- (7) सर्वश्री निहाल सिंह, श्रीचन्द पुत्रान श्री कालू
- (8) श्री हंसा पुत्र श्री राम स्वल्प
- (9) सर्वश्री केवल, हरिया, हर मक्षप, मामचन्द
पुत्रान, व श्रीमती अमाँ
- (10) श्रीमती चन्द्रो पुत्री श्री मुखदेव ।

(अन्तरक)

2. मै० खोमला फाउण्डरी प्रा० लि०
देश बन्धु गुप्ता रोड,
पहाड़ गंज, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तक्षरी के
पाम निखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 61 कनाल 5 मरले जोकि सराये
ख्वाजा, फरीदाबाद में स्थित है तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1798, तिथि
15-6-78 पर दर्ज है ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख 5-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड़ रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 मार्च 1979

निदेश सं० बी० जी० आर०/9/78-79—अतः मुखे, रवीन्द्र कुमार पठानिया, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 61 कनाल, 5 मरले है तथा जो सराये खवाजा, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तिधियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री खेमा पुत्र श्री जीवता
 - (2) श्री बुद्ध सिंह पुत्र श्री चेता
 - (3) श्रीमती चम्पी पुत्री श्री चेता
 - (4) श्रीमती सोमवती पुत्री श्री चेता
 - (5) सर्वश्री रूप सिंह, दुर्गा पुत्रात श्री गिरराधी
 - (6) श्री भेद सिंह पुत्र श्री हेता
 - (7) श्री मंगत राम पुत्र श्री भीमा
- सभी निवासी सराय खवाजा, फरीदाबाद।

(अन्तरक)

2. म० खोमना फाउन्डरी प्रा० लि०

1, देशबन्धु गुप्ता रोड़,
पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, भूमि रकबा 61 कनाल, 5 मरला, जोकि सराय खवाजा, फरीदाबाद में स्थित है तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1799 तिथि 15-6-1978 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 5-3-79

मोहर:

प्रारूप धारा ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन—525 यतः, मुझे,
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो कोटा में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 जून 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रदर्शन से हुई किसी धाय के बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दुर्गा प्रसाद पुत्र हंसराज, नारायण लाल पुत्र छगन
लाल, का किमोर पुत्र तुलसी राम, भगवानदाम पुत्र
नारायण मन एवं चान्दमल पुत्र चतुरभुज द्वारा फर्म
मैनर्स न्यू गणेश फार्निचर कम्पनी, कोटा
(अन्तरक)

2. श्रीमती रतनी देवी पति श्री जियारामजी बिलोची,
पो० बा० नं० 2807 दुबई
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रभेद के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संरक्षित के प्रभेद के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो आलाबाड़ रोड, कोटा में स्थित है और उप
पंजीक, कोटा द्वारा क्रमांक 721 दिनांक 2-6-78 पर पंजीबद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 25th January 1979

No. A.32013/2-77-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri V. N. Vaidyanathan, Assistant Planning Officer in the Directorate General, A.I.R. and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis w.e.f. the forenoon of 19-1-79 to 18-4-79 or until further orders whichever is earlier, *vide* proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulation, 1958.

S. BALACHANDRAN,

Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 6th February 1979

CORRIGENDUM

No. P/1878-Admn.I.—In the first line of the Union Public Service Commission Notification of even No. dated 1-1-1979 the words "a permanent SSO II" shall be substituted by the words "permanent SSO II/Temporary SSO I".

S. BALACHANDRAN,

Under Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi, the 9th February 1979

No. A.11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Kishan Singh, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to perform the duties of Desk Officer for the period from 5-2-1979 to 31-3-1979 or until further orders, whichever is earlier, in the office of Union Public Service Commission.

2. Shri Kishan Singh shall draw Special Pay @ Rs. 75/- p.m., for the period he performs the duties of Desk Officer, in terms of D.O.P. & A.R.O.M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.

The 16th February 1979

No. P. 174/Admn.III.—On reversion from deputation on foreign service from the post of Assistant Administrative Officer in Delhi Electric Supply Undertaking, Shri R. G. Purang assumed the charge of the Section Officer in Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 17th November 1978

S. BALACHANDRAN,

Under Secy.
(Incharge of Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110022, the 16th February 1979

No. 1-34/73-CFSL/1004.—Consequent on his appointment as Assistant Director, Serology, Forensic Science Laboratory, Gujarat, Ahmedabad, Dr. Pankaj Kumar Chatterjee has been relieved of the office of Senior Scientific Officer (Serology), Central Forensic Science Lab. C.B.I., New Delhi on the afternoon of 29th January, 1979.

S. K. JHA,
Dy. Director (Admn.)
C.B.I.

DIRECTORATE OF COORDINATION

(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 14th February 1979

No. A.13021/1/78-Admn.—Consequent on his selection as Programmer in the Union Public Service Commission, Shri J. P. Aggarwal, a temporary Extra Assistant Director and a permanent Senior Technical Assistant of the Directorate of Coordination (Police Wireless), Ministry of

Home Affairs, New Delhi, has been relieved from his duties with effect from the afternoon of 16-1-1979.

C. P. JOSHI,
Director
Police Telecommunications.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE,

New Delhi-110001, the 19th February 1979

No. F.4/3/1973-Estt(CRPF).—The President is pleased to confirm Shri K. Kesavan, Assistant Commandant as Deputy Superintendent of Police in the Central Reserve Police Force with effect from 8-5-1973.

This issues with the concurrence of the MHA *vide* their U.O. No. 5748/78-Pers-II dated 27-1-79.

No. O.II-1250/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri Jagadeesh Suryanarayana, Deputy Superintendent of Police, CRPF with effect from 25-10-78(AN).

A.K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm)

CENTRAL TRANSLATION BUREAU

New Delhi-110022, the 16th February 1979

No. 35-18/76-Admn.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Class III), Shri Anand Prakash, presently officiating as Administrative Officer on *ad hoc* basis in the Central Translation Bureau, is appointed to officiate as Administrative Officer on temporary regular basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 27-1-1979 Forenoon, until further orders.

R. K. BANSAL,
Director

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 15th February 1979

No. DD.PRS.040.—On his attaining the age of superannuation, Shri Nivas, a permanent Section Officer and officiating Under Secretary, of the Central Vigilance Commission retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1979.

CHANDRAMONI NARAYANASWAMY,

Director
For Central Vigilance Commission

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 15th February 1979

No. Admn.I/0.0.550/5-5/Promotion/78-79/2368.—The Accountant General, hereby appoints the following permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer, with effect from the forenoon of 30th January, 1979.

(Sd.) ILLEGIBLE
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 7th March 1979

No. 23/3/79-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by three points to reach 332 (three hundred and thirty two) during the month of January, 1979. Converted to base 1949=100 the index for the month of January, 1979 works out to 404 (four hundred and four).

TRIBHUVAN SINGH
Deputy Director
Labour Bureau

MINISTRY OF DEFENCE

D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 7th February 1979

No. 3/79 A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Shib Chandra Sarkar, Subst. & Permt. Asstt., Ty. A.S.O. retired from service with effect from 31-1-79 (A/N).

No. 4/79/A/F-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Tulshi Charan Das, Sbdt. & Permt. Asstt., Ty. A.S.O. retired from service with effect from 31-1-79 (A/N).

D. P. CHAKRAVARTI,
ADGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories.

Calcutta, the 12th February 1979

No. 4/G/79.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officer as Offg. ADGOF Gr. I with effect from the date shown against him, until further orders :—

- (1) Shri P. C. Shingla, Pt. ADGOF/Gr. II—20th Nov., 1978.

No. 5/G/79.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. Sr. DADGOF/Manager with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri K. K. Sodhi, Pt. D.M.—1st Dec., 1978.
- (2) Shri S. Tewari, Offg. D.M.—1st Dec., 1978.
- (3) Shri V. Krishnamurthy, Pt. D.M.—20th Nov., 1978.
- (4) Shri S. K. Wadhwan, Pt. D.M.—30th Nov., 1978.
- (5) Shri Balbir Singh, Pt. D.M.—20th Nov., 1978.
- (6) Shri V. K. Sharma, Pt. D.M.—20th Nov., 1978.
- (7) Shri A. K. Misra, Pt. D.M.—20th Nov., 1978.
- (8) Shri G. Krishnamurthy, Pt. D.M.—20th Nov., 1978.
- (9) Shri V. K. Singh, Pt. D.M.—20th Nov., 1978.
- (10) Shri K. C. Mukherjee, Pt. DADGOF.—20th Nov., 1978.
- (11) Shri S. R. Guha Roy, Pt. DADGOF.—20th Nov., 1978.

No. 6/G/79.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. DADGOF/D.M. with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri P. P. Rao, AM(Prob)—1st Nov., 1978.
- (2) Shri P. C. Arora, AM(Prob)—1st Nov., 1978.
- (3) Shri G. R. Bhatta, Offg. A.M.—1st Nov., 1978.
- (4) Shri A. P. Tripathi, AM(Prob)—2nd Sept., 1978.
- (5) Shri R. M. Gupta, AM (Prob)—2nd Sept., 1978.
- (6) Shri H. S. Pundle, AM(Prob)—2nd Sept., 1978.
- (7) Shri Ashok Kumar, AM (Prob)—2nd Sept., 1978.
- (8) Shri S. S. Khot, AM(Prob)—1st Dec. 1978.
- (9) Shri Miskeen Hussain, Offg. AM.—1st Dec., 1978.
- (10) Dr. P. K. Sanyal, AM (Prob)—2nd Sept., 1978.
- (11) Dr. O. P. Yadava, AM(Prob)—2nd Sept., 1978.

The 15th February 1979

No. 7/79/G.—On attaining the age of 58 years Shri T. F. Decunha, offg. Dy. Manager (Subs/Permt. Foreman) retired from service with effect from 31-12-78 (A/N).

V. K. MEHTA,
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 2nd January 1979

No. Jute (A)/147/58.—The Jute Commissioner hereby appoints Shri K. P. Das, Assistant Director (Exports) as Assistant Director (Marketing), Group 'A' Officer in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1000-50-1300/- on an ad-hoc officiating capacity in this office w.e.f. 22-1-79 (F/N) to 17-3-79 (A/N) vice Shri S. Roy proceeded on leave.

K. K. BANERJEE,
Administrative Officer.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 17th February 1979

No. A-1/1(982).—The President is pleased to appoint Shri Harbans Lal, Assistant Director (Gr. I) (Gr. III of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate, on ad hoc basis, as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 3-2-79 and until further orders.

No. A-1/1(1131)/78 — The President is pleased to appoint the undermentioned candidates nominated by the Union Public Service Commission on the result of Engineering Services Examination, 1977 as Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) (Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A') with effect from the dates given against their names :—

- (1) Shri Dinesh Kumar Singh.—1-2-1979 (FN).
- (2) Shri Davenra Kumar Singh.—1-2-1979 (FN).

SURYA PRAKASH,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 13th February 1979

No. A. 19012(24)/70-Estt.A.—On his voluntary retirement with effect from 31st December, 1978 (afternoon), Shri V. P. Malik, Pmt. Assistant Administrative Officer is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 31st December, 1978 and accordingly struck off the strength of establishment of this department.

S. BALAGOPAL
Head of Office,
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 14th February 1979

No. 5(27)/69-SI.—Consequent on his appointment as a Public Relations Officer, Grade I, in the Oil and Natural Gas Commission, Dehradun, Shri N. N. Taye, Programme Executive, All India Radio, Dibrugarh, who was on leave from 15-11-78 to 13-12-78, was relieved of his duty as a programme Executive to join duty in the Oil and Natural Gas Commission, Dehradun on the expiry of leave.

No. 4(20)/75-SI.—On his repatriation at his own request to his parent department viz. Office of the Senior Deputy Accountant General, Commerce, Works, and Miscellaneous, Calcutta as S.G. Auditor, Shri S. K. Saha, Programme Executive, All India Radio, relinquished charge of the post of Programme Executive, AIR w.e.f. the 4th December, 1978 (AN) and is deemed to have resigned from the post of Programme Executive in All India Radio with effect from the same date.

M. L. SABHARWAL,
Section Officer,
for Director General.

New Delhi-1, the 19th February 1979

No. 6(131)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. Venkataraman as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from 31-1-1979 and until further orders.

J. R. LIKHI,
Deputy Director of Administration,
for Director General.

(AUDIENCE RESEARCH UNIT)

New Delhi, the 16th February 1979

No. A-12026/2/76-SV.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated 2nd Sep. 1976

and 19th Sep. 1978, the Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri P. L. Sharma, Senior Investigator, Central Statistical Organisation, Department of Statistics, Ministry of Planning, New Delhi to the post of Statistical Officer in the Directorate General, All India Radio, New Delhi in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200, on deputation on *ad hoc* basis for a further period from 1-1-79 to 23-8-79, *vice* Shri N. P. Varia, Statistical Officer sent on deputation as Economist in the Department of Coal, Ministry of Energy, New Delhi.

B. K. KHURANA,
Dy. Director Audience Research,
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 8th February 1979

No. 2/1/62-Est.I.—On attaining the age of superannuation, Shri V. G. Patki, Permanent In Between Animator in the Films Division, Bombay, retired from service from the afternoon of the 31st January, 1979.

N. N. SHARMA,
Assistant Administrative Officer,
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
New Delhi-110011, the 14th February 1979

No. A.32013/8/76(NMEP)/Admn.I.—In consequence of the temporary transfer of the post of Deputy Director (L&A) and its incumbent in the Directorate of National Malaria Eradication Programme to the Directorate General of Health Services Shri A. R. Nim the incumbent of the post resumed duty in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of the 1st February 1979 until further orders.

S. W. OAK,
Director (Administration & Vigilance)

New Delhi, the 13th February 1979

No. A.12026/1/76(HQ)Adm.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri N. C. Dhavan to

the post of Technical Officer (Medical Stores Organisation) in the Directorate General of Health Services in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 12th January, 1979 until further orders.

No. A.12026/23/77(SJ)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Amita Kochar to the post of Dietician at the Safdarjang Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 4th January, 1979, on *ad hoc* basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 13th February 1979

No. A.19025/118/78-A.III.—On the recommendations of the D.P.C. Shri S. S. Bimbra, Senior Chemist has been promoted to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group III) in this Dte. at Bangalore w.e.f. 19-12-1978 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration,
For Agricultural Marketing Adviser

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehra Dun-248001, the 15th February 1979

No. 4-5/71-Adm.—On being relieved of his duties with effect from 31-1-79 (A.N.) by the Co-Investigator, Research Project 01-658-R "Longitudinal Study of outcome and Survival of Birth Cohort" Department of Paediatrics, Safdarjang Hospital, New Delhi Shri T. K. T. S. Ramanujacharyulu has joined as Statistical Officer in the Headquarters Office, Preinvestment Survey of Forest Resources, Dehra Dun with effect from 1-2-79 (F.N.).

C. L. BHATIA,
Chief Coordinator

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 24th January, 1979

No. 5/1/78 Estt. II/423—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an *ad hoc* basis as Asstt. Personnel Officer for the period shown against their names:

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
	S/Shri			
1.	V.A.V. Menon, Assistant	Asstt. Personnel Officer	1-11-78 (FN)	9-1-79 (AN)
2.	S.G. Supaliga, Assistant	Asstt. Personnel Officer	15-11-78 (FN)	16-12-78 (AN)
3.	V. Narayana Rao, Steno (Sr.)	Asstt. Personnel Officer	20-11-78 (FN)	30-12-78 (AN)
4.	P.V. Krishnamurthy, Steno (Sr.)	Asstt. Personnel Officer	29-11-78 (FN)	9-1-79 (AN)
5.	A.K. Katre, Assistant	Asstt. Personnel Officer	27-11-78 (FN)	30-12-78 (AN)

The 31st January 1979

No. J-38/Estt.II/493.—Consequent on his voluntary retirement from Government service under the provisions of Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt(A) dated 26-8-1977, Shri Natarajan Jayaraman a permanent Assistant Administrative Officer in the scale of Rs. 650--960 in this Research Centre relinquished the charge of his post on the afternoon of January 20, 1979.

M. S. RAO,
Dy. Establishment Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 15th February 1979

No. RAPP/04627/1(460)/Admn/S/471.—Consequent upon his transfer to Narora Atomic Power Project, Department of Atomic Energy, P.O. Narora, (U.P.) Shri R. N. Bhardwaj, a quasi permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific officer/Engineer Grade SB in this project relinquished charge of his post in the afternoon of 5th February, 1979.

GOPAL SINGH,
Administrative Officer (E)

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 12th February 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Nandkumar Ramkrishna Kale as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th January 1979 until further orders.

The 15th February 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Nandkumar Ramkrishna Kale as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th January, 1979 until further orders.

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints

Shri Ghan Shyam Sharma as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25th January, 1979 until further orders.

S. Y. GOKHALE.
Sr. Administrative & Accounts Officer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur-401 504, the 13th February 1979

No. TAPS/2/291/70.—Shri N. K. Agrawal, SO/Engr. SB was relieved of his duties in Tarapur Atomic Power Station with effect from the afternoon of February 10, 1979, consequent on acceptance of his resignation.

A. D. DESAI.
Chief Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 1st February, 1979

No. VSSC/EST/CON/2-101.—The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned officers of the Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum of the Department of Space to posts and with effect from the forenoon of the dates as indicated against each in a substantive capacity.

Sl. No.	Name	Division	Presently officiating as	Post to which appointed in a substantive capacity	Date
1	2	3	4	5	6
	S/Shri				
1.	Abdullah KM	RES	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
2.	Muthu C	PED	Sci/Engineer SD	Sci/Engineer SB	1-4-75
3.	Pauly KO	RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
4.	Vijayan A	FRP	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
5.	Ayyappan Nair N	EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
6.	Alex NK	RES	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
7.	Mathew KV	RES	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
8.	Joseph KP	FRP	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
9.	Unni APR	ELS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
10.	Varghese PM	ISI	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
11.	K. Arunakaran Achari KN	RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
12.	Nair NS	ISI	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
13.	Ravindranathan Nair N	EFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-7-45
14.	Fernandez G	GSS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
15.	Gopala Pillai S.	GSS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
16.	Venugopalan V	GSS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
17.	John PD	EFF	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
18.	Jayardhanan Pillai PN	EFF	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
19.	C. Ishna Swamy M	ELS	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
20.	Kumaran VK	EFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
21.	Mohan K.	CWS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
22.	Prabhakaran M	ELS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
23.	Panicker KPS	QAD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
24.	Sukumaran Nair PK	SPD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
25.	Sadashivan PT	EFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
26.	Subba Rao K	EFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
27.	Kurjan K	VIK	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
28.	Mathunny Y	RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
29.	Subhash C. Bose	RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
30.	Balan TA	EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
31.	Krishnan Kutty VK	SLV	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
32.	Mohamed Rafee U	RES	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
33.	Narayana Kutty N	SLV	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
34.	Parameswaran Pillai MN	EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
35.	Pillai PKP	TPT	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75

1	2	3	4	5	6
S/S'ri					
36.	Sreedharan CV	EMD	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-1-75
37.	Abraham I Mathew	PFD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
38.	Arumughom Pillai S	SLV	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
39.	Balakrishnan Nair TK	PFD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
40.	Bhaskaran Nair MK	STR	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
41.	Divakaran P	PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
42.	Devassy MA	PSN	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
43.	Gopitnathan Nair C	EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
44.	Gopalan Nair M	ELS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
45.	Gopi ER	EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
46.	Gupta GSR	EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
47.	John Peter S	PSC	Sci/Engineer SD	Sci/Engineer SB	1-4-75
48.	Johnson C	PSN	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
49.	Krishnan D	EFF	Sci/Engineer SD	Sci/Engineer SB	1-4-75
50.	Kurian AJ	PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
51.	Narasajah Y	RSR	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
52.	Narayanankutty A	RSR	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
53.	Prabhakaran N	PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
54.	Pankajakshan Nair S	SPD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
55.	Prasad CD	SPD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
56.	Pandurang LP	PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
57.	Rao SG	SGR	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
58.	Radhakrishna Panicker P	EMD	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
59.	Ramaswami Rao Jakati	PFC	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
60.	Satyanarayana KR	STR	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
61.	Sreekumar KN	EFF	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
62.	Sukumaran Nair K	EFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
63.	Sreedharan Asari K	SLV	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
64.	Thomas KE	PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
65.	Unnikammu CTP	PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
66.	Uthaman P	ARD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
67.	Venkitaraman BS	STF	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
68.	Vinayachandran Nair K	RSR	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
69.	Vasudevan Unni KN	PSN	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
70.	Yohannan CO	PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
71.	Balchandran R	RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
72.	Kalyan Sundaram KM	RFF	Sci/Engineer SD	Sci/Engineer SB	1-4-75
73.	Madhavan C	RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
74.	Sirsi ST	RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
75.	Ravindra Nair KR	RPP	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
76.	Radhakrishnan NM	SPD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
77.	Rabindranath Das	ERP	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
78.	Samiran Ray	FRP	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
79.	Vijayakumaran Nair M	RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
80.	Narayana Menon PK	SPD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
81.	Pothen PP	SPN	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
82.	Joseph PK	VIK	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
83.	Nimboodiri KCN	GSS	Sci/Engineer SD	Sci/Engineer SB	1-4-75
84.	Madhavan Nair K	FRP	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
85.	Mohamed Sali A	FRP	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
85.	Viswanath Pillai N	EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
87.	Joseph PC	RPP	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
88.	Selvaraj S	RFF	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
89.	Peter George	SPD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
90.	Stansilaus Samson KH	PSN	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
91.	Thomas Varghese	EFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75

RAJAN V. GEORGE
Admn. Officer II (EST)
For Director, VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th February 1979

No. A.31013/2/77-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri V. Ramasubramanyam, Officiating Director, Training & Licensing, Civil Aviation Department, in a substantive capacity in the same post with effect from the 31st March, 1978.

The 8th February 1979

No. A.12025/8/76-E.I.—The President is pleased to appoint S/Shri B. K. Gandhi, Senior Technical Assistant (Aeronautics), and J. S. Chauhan, Senior Technical Assistant (Aircraft Evaluation), to the grade of Scientific Officer, Civil Aviation Department on an ad-hoc basis with effect from the 25th January, 1979 for a period of six months or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A.31013/3/78-E.I.—The President is pleased to appoint the following Officers officiating in the grade of Regional Director, Civil Aviation Department, in a substantive capacity in the same grade with effect from the 31st March, 1978 :—

1. Shri H. D. Krishna Prasad.
2. Shri V. Chandrasekharan.
3. Shri S. D. Bahl.

The 13th February 1979

No. A.19014/49/72-E.I.—Shri G. S. Gupta, on retirement from Government service on attaining the age of superannuation relinquished the charge of office of the Director, Air Routes & Aerodromes (Operations), on the 31st January, 1979 (Afternoon).

No. A.19014/138/72-E.I.—Shri J. S. Kapoor, on retirement from Government service on attaining the age of superannuation relinquished the charge of office of the Director, Training & Licensing on the 31st January, 1979 (Afternoon).

No. A.19014/60/72-E.I.—The President is pleased to permit Shri H. C. Rai Chaudhury, Deputy Director (Fire), Civil Aviation Department, to retire from Government service with effect from 31st January, 1979 (Afternoon) on the expiry of the period of notice of three months, at his own request under the provision of FR 56(k).

Shri H. C. Rai Chaudhury relinquished charge of the office of Deputy Director (Fire) in the afternoon of the 10th November, 1978 while proceeding on leave preparatory to retirement for 80 days, running concurrently with the unexpired portion of the notice of three months, 11th and 12th November, 1978, being Second Saturday and Sunday.

H. L. KOHLI
Director of Administration

New Delhi, the 14th February 1979

No. A.32013/7/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Bansal, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Palam to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis w.e.f. 6-1-79 (FN) for a period of six months or till regular appointment to the grade are made, whichever is earlier and to post him in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi.

The 19th February 1979

No. A.39012/5/78-EC.—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri S. Bhattacharyya, Technical Officer in the office of the Controller of Communica-

tion, Aeronautical Communication Station, Bombay Airport, Bombay with effect from 1-1-79 (FN).

S. D. SHARMA,
Deputy Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 17th February 1979

No. 1/14/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. K. Khemani Superintendent, Headquarters Office, Bombay, as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity in Arvi Branch. for the period from 15-11-78 to 2-12-78 (both days inclusive) on *ad-hoc* basis.

P. K. G. NAYAR,
Director (Admn)
for Director General.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 9th February 1979

No. 1/79.—Shri K. B. Bhusar, superintendent of Central Excise, Group 'B' Hdqrs. Office (Audit) Baroda has been permitted to proceed on Voluntary retirement with effect from 23-12-78 as he has completed more than 20 years qualifying service.

K. S. DILIPSINHJI,
Collector of Central Excise,
Baroda.

Bhubaneswar, the 5th February 1979

No. 3/79.—Shri Abhay Charan Pal, Superintendent, Central Excise and Customs, Group 'B' posted at Bhubaneswar Range in Cuttack Division retired from service in this Department on superannuation on the afternoon of 31-1-1979.

H. VUMKHAHTHANG
Collector
Central Excise and Customs
Bhubaneswar

Indore, the 17th February 1979

No. 3/79.—Shri G. Z. Ramchandani, Superintendent, C. Ex. Group 'B' MOR Ujjain in Madhya Pradesh Collectorate, Indore having attained the age of superannuation has retired from Government service in afternoon of 31st December, 1978.

No. 4/79.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B' Shri R. M. Gupta, Inspector of Central Excise (S.G.) has assumed charge as Superintendent, Central Excise, Isolated Range, Gwalior in the forenoon of 14th December, 1978.

M. S. BINDRA
Collector

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 7th February 1979

No. 4.—The following officers of Northern Railway, have finally retired from Service from the dates noted against each :—

1. Shri R. M. Bhatnagar, Asstt. Personnel Officer—24-3-72 A.N.
2. Shri Jaswant Rai, Divl. Personnel Officer—31-7-75 A.N.

R. SRINIVASAN
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Tara Trading Company Private Limited*

Bhubneshwar, the 6th February 1979

No. S.O./92/3950(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Tara Trading Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

MADHYA PRADESH

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kandoi & Saraf Private Limited*

Gwalior, the 15th February 1979

No. 722/Tech/7479.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kandoi & Saraf Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies
M.P., Gwalior

PUNJAB, H.P. & CHANDIGARH

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Himachal Poultries Private Limited*

Jullundur, the 19th February 1979

No. G/Stat/560/2904/12231.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Himachal Poultries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Rewa Private Limited*

Jullundur, the 19th February 1979

No. G/Stat/560/3201/12233.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Rewa Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Special Chit Fund & Financial Company Private Limited*

Jullundur, the 19th February 1979

No. G/Stat/560/2898/12235.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act,

1956, that the name of M/s. Special Chit Fund & Financial Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. New Hindustan Ex-Soldiers Finance Private Limited*

Jullundur, the 19th February 1979

No. G/Stat/560/2740/12237.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. New Hindustan Ex-Soldiers Finance Private Limited has this day been struck off the Register and said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H. P. & Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 6th February 1979

INCOME-TAX

No. JUR/DLI-1/78-79/45278.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and in Partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.I.T. Delhi-I, New Delhi hereby directs that the I.T.O., T.D.S. (Salaries) Circle-I shall have concurrent jurisdiction with the I.T.Os, P.S.C. IV & V, New Delhi in respect of persons/cases assessed/assessable by I.T.Os Private Salary Circles IV & V, excepting the cases assigned U/s. 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-I also authorises the I.A.C. Range-I-B and I-C to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of the section 124 of the I.T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 6-2-1979.

K. N. BUTANI
Commissioner of Income-tax
Delhi-I, New Delhi

INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 14th February 1979

No. F. 48-Ad(AT)/78.—Shri K. L. Rehani, temporary Labour Officer (Central Pool) Government of India, Ministry of Labour is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi in a temporary capacity with effect from 5-2-1979 (afternoon) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 until further orders.

He will be on probation for two years with effect from 5-2-1979 (afternoon).

P. D. MATHUR
President
Income Tax Appellate Tribunal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd February 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/525.—Whereas, I, HARI SHANKER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 2-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Durga Prashad, s/o Hansaraj, Narainlal s/o Chaganlal, Roopkishore s/o Tulsiram, Bhagwandass s/o Narainmal & Chandmal s/o Chaturbhuj, through firm M/s New Ganesh Finance Co., Jhalawar Road, Kotah.

(Transferor)

(2) Shrimati Ratni Devi w/o Sh. Jiyaramji Bilonchi—
P. B. No. 2807 Dubai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Jhalawar Road, Kotah and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Kotah vide Registration No. 721 dt. 2-6-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
4/14A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-110001

ACQUISITION RANGE-III

New Delhi, the 15th February 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/2-79/329/6044.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

XV/1445 situated at Mohalla Sangtrashan, Paharganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Geeta Rani widow of Sh. Shiv Prakash Sethi R/o 226, Mohalla Meharpara, Amritsar as self and as general attorney of her children.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar & Chander Bhan sons of Shri Wasdev R/o XV/1445, Paharganj (Mohalla Sangtrashan), New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. XV/1445 measuring 55 sq. yds. situated in Mohalla Sangtrashan, Paharganj, New Delhi bounded as under :—

East House property No. XV/1444
West House property No. XV/1446
North House property No. XV/1437
South Gali

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 15-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi, the 20th February 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/June-13/3876/78-79/6113.—
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 15/8 situated at Punjabi Bagh, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Girdhari Lal Madan, s/o Sh. Sukh Dayal Madan
(2) Sh. Jawahar Lal
(3) Sh. Satish Kumar
(4) Sh. Surinder Kumar, ss/o. Sh. Girdhari Lal &
(5) Sh. Bihari Lal, s/o. Sh. Ladha Ram, r/o. 15/B, Punjabi Bagh, New Delhi-26.

(Transferor)

- (2) Shri Manohar Lal Kapoor, s/o. Sh. A. N. Kapoor, r/o. E-226, Govt. Qurs. Dev. Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storied building built on plot of land measuring 270.83 sq. yds. bearing No. 15, Road No. 8, Class 'D' situated in the colony known as Punjabi Bagh, Village Bassai-darapur, Delhi and bounded as under :—

East : Property No. 13
West : Property No. 17
North : Service Lane
South : Road No. 8

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 20-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi, the 20th February 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-27/2735/78-79/6113.—
R. B. L. AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3/66A situated at Rohtak Road, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 25 July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) (1) Shri Som Nath Khurna, s/o Sh. Haveli Ram
r/o. 32, Bungalow Road, Subzi Mandi, Delhi.
(Transferor)

(2) (1) Shri Som Nath Khurana, s/o. Sh. Haveli Ram
Khurana
(2) Smt. Agya Wanti, w/o. Sh. S. N. Khurana
(3) Sh. Sunil Khurana, &
(4) Sh. Gireesh Khurana, ss/o. Sh. Som Nath
Khurana, r/o. 11061, Shidipura, Karol Bagh, New
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Block No. 66-A, measuring 575.77 sq. yds. situated at Rohtak Road, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. 4
West : Plot No. 2
North : 18' wide Public Lane
South : Rohtak Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 20-2-1979

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi, the 20th February 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-130/2428/78-79/6113.—

Whereas, I,

R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F-12/3 situated at Model Town, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on 3-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15- 496GI/78

- (1) (1) Lal Chand Bhatia, s/o. Sh. Jaman Lal Bhatia, r/o. K-1/39, Model Town, Delhi-9 &
(2) Sh. Bhagwan Dass *alias* Bhola Nath Bhatia, s/o. Sh. Jaman Lal Bhatia, r/o. 119-20, Tilak Bazar, Delhi-6.

(Transferor)

- (2) (1) Sri Keshav Datt Sharma, s/o Sh. Bishnur Dutt Sharma r/o. 15, Hagore Park, New Delhi &
(2) Sh. B. D. Sharma, s/o. Sh. G. D. Sharma, r/o. 1553, S. P. Mukherjee Marg, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building built on a plot No. 3, in Block No. F-12 measuring & 450 sq. yds. (376.258 sq. mts.) situated in the colony known as Model Town, Village Malikpur, Chhaoni, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

East : Property No. F-12/4

West : Property No. F-12/2

North : Property No. F-13/3

South : Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 20-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi, the 20th February 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/June-74/3916/78-79/6141.—

Whereas, I,

R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shops No. 1144 to 1148 & 1150 & 1149 Balakhana, situated at Kucha Mahajani Main, Chandni Chowk, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Virendra Swarup, s/o. Sh. Jatan Swarup, r/o Mohalla Kayasthwar, Sikandrabad, Distt. Bulandshar, U.P. for himself & for his four sisters.

(Transferor)

- (2) Sh. M/s. Sardar Estates, A-3, Kailash Colony, New Delhi, through its partners
(1) Sh. Inder Singh Kohli
(2) Smt. Harcharan Kaur
(3) Smt. Iqbal Kaur
(4) Smt. Inderjeet Kaur &
(5) Smt. Amritpal Kaur.

(Transferee)

- (3) Sh. L. Kidar Nath, M/s. Sardar Overseas M/s. Chhaju Mall Sadan Lal, M/s. Inder Singh & sons, L. Ram Richhpal, Sh. Hari Om, & Dr. P. B. Vyas & Dr. N. S. Jain.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of shops Nos. 1144, 1145, 1146, 1147, 1148 1150 & 1149 (Balakhana) measuring 48.8 sq. yds. (total area 146.2/3 Sq. yds.), situated at outside Kucha Mahajani, Main Chandni Chowk, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 20-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi, the 22nd February 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/June-75/3917/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop Nos. 1144 to 1148, 1150 & 1149 (Balkhana) situated at Kucha Mahajani, Main Chandni Chowk, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rajinder Swarup, s/o. Sh. Jatan Swarup, r/o. Mohalla Kayasthwar, Sikandrabad, Distt Bulandshahr, U.P.

(Transferor)

(2) M/s. Sardar Estates,
A-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Kidar Nath
(2) M/s. Sardar Overseas
(3) M/s. Chhaju Mall Sadan Lal
(4) M/s. Inder Singh & Sons
(5) L. Ram Richhpal
(6) Dr. P. B. Vyas & Dr. N. S. Jain &
(7) Sh. Hari Om.

(4) M/s. Inder Singh & Sons
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th undivided share of shops Nos. 1144, 1145, 1146 1147, 1148, 1150 & 1149 (Balkhana), situated at Kucha Mahajani, Main Chandni Chowk, Delhi and measuring 24.4 sq. yds. (total area 146.2/3 sq. yds).

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 22-2-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II**

4/14A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi, the 22nd February 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/June-77/3919 78-79/6141.--Whereas, I R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops No. 1144 to 1148, 1150 & 1149 (Balakhana) situated at Kucha Mahajani, Main Chandni Chowk, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Inder Swarup, s/o. Sh. Sunder Sfarup, r/o. Mohalla Kayasthawara, Sikandrabad, Dist. Bulandshar, U.P.

(Transferor)

(2) M/s. Sardar Estates, A-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

(3) (1) Sh. Kidar Nath
(2) M/s. Sardar Overseas
(3) M/s. Chhaju Mal Sadan Lal
(4) M/s. Inder Singh & Sons
(5) L. Ram Richhpal
(6) Sh. Hari Om.
(7) Dr. P. B. Vyas
(8) Dr. N. S. Jain.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of Shops No. 1144, 1145, 1146, 1147 1148 & 1150 and 1149 (Balakhana) measuring 73.1/3 sq. yds. (total area 146 2/3 sq. yds.) situated at Kucha Mahajani, Chandni Chowk, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 22-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi, the 2nd February 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/June-8/3871/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing D-9/16 situated at Model Town, Delhi-9, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Delhi on 6-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S. Surinder Singh Bhasin s/o S. Ujagar Singh
r/o. D-9/16, Model Town, Delhi-9.
(Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Gohil, w/o. Sh. Chaman Lal
(2) Sh. Punit Gohil, s/o. Sh. C. L. Gohil, r/o.
C-1/28, Model Town, Delhi-9
(Transferee)
- (3) Sudesh Kumar Taneja & S. Joginder Singh.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storied building built on plot measuring 282 sq. yds. bearing No. 16, Block No. D-9, situated at Model Town, Village Malikpur Chhaoni, Delhi and bounded as under :—

East : Road.

West : House on Plot No. D-8/16

North : House on Plot No. D-8/17.

South : House on Plot No. D-9/15.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 22-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st February 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/2-79/330/6138.—Whereas, I, D. P. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 124 situated at Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 6-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nand Lal Sehgal
Shri Atma Ram Sehgal
R/o 124, Shankar Road,
New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Yash Pal Ahuja S/o
Shri Pishori Lal
2. Shri Prem Pal Ahuja
S/o Shri Pishori Lal
3. Shri Promod Kumar S/o
Shri Pishori Lal
All R/o G-24, Mansarovar Garden,
New Delhi. (Transferee)
- (3) 1. Shri Kanshi Ram
2. Shri Des Raj
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 124 measuring 89 sq. yds. Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi is bounded as under :—

East : Shop No. 123
West : Shop No. 125
North : Road
South : Lane

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 21-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd February 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/2-79/331.—Whereas, I,
D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 23 situated at Class C on West Avenue Road, Punjabi Bagh area of vill. Mandipur Delhi State Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 9-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mohinder Kaur W/o
S. Avtar Singh Anand D/o
Late S. Beant Singh R/o
350/54, Katha Bazar, Bombay-9.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar Gambhir and
Shri Gulshan Kumar Gambhir
Ss/o Shri Kaku Ram Gambhir.
R/o A-85, 86 (double storeyed),
Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing Plot No. 23, in Class C, on West Avenue Road, situated in the colony known as Punjabi Bagh area of Village Madipur Delhi State, Delhi, measuring 541.47 sq. yds. and the boundary of the said plot is as under :—

North : Service Lane
South : West Avenue Road.
East : Property No. 21
West : Plot No. 25

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 22-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1978

Ref. No. 215/Acq./F.bad/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Farukhabad on 2-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chunni Devi
Wd/o Late Nawab Singh,
R/o Village Nigar, P.O. Karanpur,
Distt. Farukhabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Anangpal Singh, Om Pal Singh,
Rishipal Singh, Rajpal Singh
S/o Shri Gajraj Singh alias Gajjoo Singh,
R/o Vill. Nigar, P.O. Karanpur,
Distt. Farukhabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Nigar Karanpur, Distt. Farukhabad transferred for an apparent consideration of Rs. 56,000/- as against fair market value of Rs. 74,200/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1978

Ref. No. 152/Roorkee/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 23-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16-496GI/78

(1) Shri Inamul Hak
S/o Shri Nazir Hussain
R/o Lahboli, Maglore, Roorkee,
Shaharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Nayeem
S/o Shri Rahmat,
S/Shri Nasheem Ahmed, Shaleem Ahemad
Mohd. Kaleem Ss/o Shri Karimuddin
R/o Lahboli, Maglore, Roorkee,
Shaharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 Beeghas, 11 Biswas and 15 Biswansi situated at Vill. Lahboli, Maglore, Roorkee, District Shaharanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/- as against valuer's report at Rs. 1,25,000/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1978

Ref. No. 262/Acq./Kaimganj/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kayamganj, Farukhabad on 21-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ram Nandani
W/o Shri Hari Nath
R/o Vill. Chandpur, Kayamganj,
Farukhabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Shankerpal Singh, Bishan Singh
Ss/o Shri Manohar Singh
R/o Vill. Chandpur, Kayamganj,
Farukhabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Chandpur, Kayam Ganj, Farukhabad transferred for an apparent consideration of Rs. 56,000/- as against Rs. 94,600/- fair market value.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd November 1978

Ref. No. 264/Acq/Auraiya/78-79.—Whereas, I,
VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Auraiya on 6-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pyare S/o Shri Desh Raj Yadav
R/o Basunda, P.O. Dibiyapur,
Etawah.

(Transferor)

(2) Shri Mahraj Singh S/o Shri Chetram Yadav
R/o Basunda, P.O. Dibiyapur,
Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Basunda, P.O. Dibiyapur, District Etawah transferred for an apparent consideration of Rs. 64,480/- as against Rs. 1,08,400/- reported by the Valuation Officer as Fair Market Value.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 22-11-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th November 1978

Ref. No. 227/Acq./Mussorie/78-79/4376.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussorie on 25-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Lala Gyan Chand S/o Lala Moti Ram,
R/o 'Nand Villa, Kuls, Mussorie.

(Transferor)

- (2) Shri Hikmat Singh S/o Shri Khushal Singh,
R/o 'Nand Villa, Kuls, Mussorie.

(Transferee)

- (3) Partly in the possession of Transferor & Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Constructed house transferred for an apparent consideration of Rs. 75,000/- as against fair market value of Rs. 99,400/- reported by the Valuation Officer, Dehra Dun.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tek Chand S/o Shri Sita Ram,
R/o 78-A, Mahmoodnagar,
Lisarhi Gate, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Girwar Singh S/o Shri Umrao Singh,
R/o Garhi, Majra Pachgaon, Patti Amar Singh,
Teh. & Distt. Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th January 1979

Ref. No. Acq. 460-A/Mcerut/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein-
after referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Meerut on 29-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Mauza Pachgaon, Patti
Sawal, Meerut, transferred for an apparent consideration of
Rs. 48,000/-, fair market value of which is Rs. 86,312/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th January 1979

Ref. No. Acq/499-A/S.Pur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakur on 26-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vilayat Ali Khan S/o Shri Bhure Khan,
R/o Vill. Islamnagar, Post : Khas,
Parg. & Teh. Nakur, Distt. Saharanpur.
Parg. & Teh. Nakur, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Mukhtar Ahmed Khan S/o
Shri Babu Allah Rakkhe Khan,
R/o Vill. Babyala Post : Islamnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Muzaffarpur, Parg. & Teh. Nakur, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 19,800/-, stamp value of which is Rs. 51,160/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-1-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th January 1979

Ref. No. Acq/508-A/GBad/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 6-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nand Lal S/o Shri Dula Ram,
R/o 122, Dwarikapuri (Jassipura),
Post : Khas, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

- (2) Prof. Shri Krishna Srivastava,
S/o Late Kunwar Bahadur Srivastava, and
Smt. Asha Rani, W/o Shri Krishna Srivastava,
R/o 40, Ramanuj Dayal (Nai Basti),
Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 113, Dwarikapuri (Jassipura), Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 60,000/-, stamp value of which is at Rs. 10,06,350/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th January 1979

Ref. No. 434-A/B.Sahar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 26-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chhidda S/o Shri Lalman
R/o Malapur Moazzadpur,
P.T. Hapur.

(Transferor)

- (2) S/Shri Subhash Chandra and Dharmpal Singh and Saraina w/o Shri Bramhjit Singh
R/o Chopara Maheshpur P&T Baghat
Distt. Meerut and
Shri Rajkumar S/o Shri Satbir Singh
R/o Firozpur P. Syana Distt. Bullandsahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Malapur Muzaffarpur P&T Hapur Distt. Ghaziabad for an apparent consideration of Rs. 97,000/- against which stamp value is at Rs. 1,10,935/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 104/Acq/Khair/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khair, Aligarh on 12-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17-496GI/78

- (1) Shri Inder Singh S/o Shri Dallu
R/o Biraula Parg. & Teh. Khair
Distt. Aligarh.

(Transferor)

- (2) Shri Johar Singh S/o Shri Tikam Singh,
Raj Kumar Dev Raj under guardianship of
Smt. Sukhdevi Mother S/o Shri Dharampal
R/o Biraula Parg. & Teh. Khair
Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 bighas situated at vill. Khair Tehsil Khair Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 40,500/- the fair market value of which has been determined at Rs. 75,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 121/Acq./Bidhnu/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bidhnu on 7-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dani Kuwar W/o Shri Putta Singh
R/o Vill and Post Machhanda P. Bidhnu
Distt. Etawah.

(Transferor)

- (2) S/Shri Bansh Lal and Prabhu Dayal
S/o Lalai
R/o Purwa Misani, Mugrida,
Belchhupur and Bhalpurgee
Mst. Lakhta and Munshi Lal S/o Gayadeen
R/o Purwa Milni Mauza Mugriha
P.O. Belchhu P. Bidhnu Distt. Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Mauza Mugriha P. Bidhnu Distt. Etawah, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/- the value of the market which is at Rs. 1,12,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979
Seal :

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 153/Acq./Iglas/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Atrauli on 13-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shanti Devi W/o Shri Gyanpal
R/o Pali Rajakpur Tahsil Kol,
Distt. Aligarh.

(Transferor)

(2) Smt. Hardevi W/o Shri Shiv Lal,
Smt. Jilawati W/o Talevar,
Smt. Chandrawati W/o Shri Panna Lal
R/o Phazalpur Pargana & Tahsil Atrauli
Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 272 measuring 7/8 part of 16 bigha, 5 biswa 3 biswansi situated at vill. Phazalpur Pargana & Tahsil Atrauli Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 24,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 89,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 168/Acq/Bidhuna/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bidhuna on 28-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Nath S/o Shri Durga Deen, R/o Vill. Pasaipur, Post Mohammadabad, Parg. Bidhuna, Distt. Etawah. (Transferor)
- (2) S/ Shri Komal Singh, Nathu Ram, Brindawan Singh, Ss/o Shri Birbal Singh, R/o Pasaipur and Smt. Gaya Shri Wd/o Shri Ram Krishna Yadav, R/o Nala Nand Gram Hasanpur, and S/Shri Ahirawan and Vishram Singh Ss/o Shri Khushilal Yadav, R/o Rampur Phoonpha, Post Mohammadabad, Parg. Bidhuna, Distt. Etawah. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Vill. Pasaipur Parg. Bidhuna Distt. Etawah. Transferred for an apparent consideration of Rs. 57,000/- the market value which is at Rs. 91,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 179/Acq/Atrauli/78-79.—Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Atrauli, Aligarh on 20-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Kishan Singh Mittar Singh
Ss/o Shri Tarif Singh,
Shri Nanki S/o Shri Shiv Ram
R/o Vilayat nagar Hal Mukam Anapur
Pargana Gangiri Tah. Atrauli
Distt. Aligarh.

(Transferor)

- (2) S/Shri Manohar Lal, Om Prakash, Dharam Singh,
Deokinandan minor under guardianship of
Shri Manohar Lal Bhai S/o Vidhichand
R/o Paindara Pargana & Tahsil Atrauli
Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 337 situated at village Gajipur Pargana & Tahsil Atrauli Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 17,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 84,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 229/Acq./Mat/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mat (Mathura) on 27-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ranvir Singh S/o Shri Hari Singh,
R/o Vill. Kamima, Post : Wamna,
Teh. Mal, Distt. Mathura. (Transferor)
- (2) S/Shri Dorilal, Chamanlal, Deshraj Bachchu,
Ss/o Shri Mushilal and others,
R/o Vill. Kamima, Post : Wamna,
Teh. Mal, Distt. Mathura. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Teh. Mat Distt. Mathura transferred for an apparent consideration of Rs. 29,509/- the market value which is at Rs. 83,040/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME- TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 297/Acq./78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 5-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ualta Prasad adopted S/o Sri Ram Prasad
R/o Adig Post Khas,
Parg. & Distt. Mathura.

(Transferor)

- (2) S/Shri Sri Hira, Babu, Krishna Ss/o Sri Budhi
R/o Adig Post Khas,
Parg. & Distt. Mathura.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 1066 situated at vill. Adig Parg. & Distt. Mathura sold for an apparent consideration of Rs. 45,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 87,620/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 298/Acq./Mathura/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 5-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer was agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to have been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Jaypal S/o Lakhiram
R/o Nagla Ramnagar vill. Kujaira
Tah. & Distt. Mathura.

(Transferor)

(2) S/Shri Hukum Singh, Gulab Singh, Dinesh Singh,
Govind Ss/o Sri Ram Sahai
R/o Nagla Ramnagar vill. Kujaira
Tah. & Distt. Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 336 situated at vill. Kujaira Tah. & Distt. Mathura sold for an apparent consideration of Rs. 24,700/- the fair market value of which has been determined at Rs. 79,420/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur,

Date : 2-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. Acq./318/Aligarh/78-79.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Iglas (Aligarh) on 20-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18—496GI/78

1. Smt. Lilawati, Widow of Shri Raghuber Singh
R/o Gowerdhan Siktari, Post : Goda,
Parg Hasangarh, Teh. Iglas, Distt. Aligarh.

(Transferor)

2. S. Shri Ramji Lal, S/o Shri Babulal,
Ram Gopal, Jagdish Prasad, sons of
Har Prasad, R/o Fatehpur, Majra : Karkha,
Post : Tohigarh, Parg. Hasangarh,
Teh : Iglas, Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Majra : Karkha Teh. Iglas Distt. Aligarh. Transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/- the market value which is at Rs. 95,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 357/A/Kanpur/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 1-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

1. Smt. Kiran Kumari Bhargava
w/o Late Sri Girraj Kishore Singh Bhargava
r/o 7/56 Tilak Nagar, Kanpur.

(Transferor)

2. S/Shri Moti Lal Jain, President, Sri Wazir Chand Jain, Sri Gyan Narain Jain, Sri Sulekh Chand Jain, Vice-President, Sri Prem Kumar Jain, Secretary, Sri Dhannamal Jain, Sri Bachu Lal Jain, Deputy Secretary, Sri Virendra Kumar, Sri Nirmal Kumar, Sri Gyan Chandra Somratijan Parishad, Sissmau 108/32 Mahabir Swami Marg, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at 108/23 Gandhinagar, Kanpur 478 Dashmal, 25 sq. yds. sold for an apparent consideration of Rs. 80,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 99,500/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 360-A/Jansath/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 8-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. S/Shri Puran Singh s/o Pitambar Singh
r/o Talda Hal near Bada Post Bikaner, Rajasthan.
(Transferor)

2. Smt. Mulli d/o Kaley Singh, Smt. Vimla
w/o Sri Subey Singh, Virmati w/o Shyam Singh
Smt. Bala widow of Ram Singh r/o Gujar House
Pakka Bagh, Khatauli, Pargana Khatauli Tahsil Jansath
Distt. Muzaffarnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 498 measuring 11 bigha 15 biswa 4 plus 8 situated at village Talda Pargana Jauli sold for an apparent consideration of Rs. 71,820/- the fair market value of which has been determined at Rs. 97,200/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. Acq/405-A/Jansath/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 2-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Vijay Singh, S/o Lal Hoshiyar Singh, R/o Vill. Talda, Post; Jansath, Parg, Jansath, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

2. S/Shri Ram Prasad and Ram Kishan, S/O Shri Kanhaiya Lal, R/O Vill : Talda, Parg. Jansath, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Vill : Talda Post Jansath Distt. Muzaffarnagar Transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/- the market value which is at Rs. 64,840/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 419/Acq/Firozabad/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Firozabad on 9-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nathi Lal s/o Kundan Lal
R/o village Raipura Post Firozabad,
Distt. Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri Mahendra Singh, Ram Sanahi, Virendra Singh minor under guardianship of father Adal Singh
R/o Naglapan Sahai, Majara Mauja Tapa Khurd
Tahsil Firozabad Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 bigha 5 biswa 2-10 pukhta situated at Pargana & Tahsil Firozabad Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 15,000 the fair market value of which has been determined at Rs. 77144/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. Acq./452-A/M.Nagar/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 29-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sarvati W/o Shri Rati Ram
Village Morpur P.O., Meerapur P. Mujha-Sambal-
heda T. Jansath Distt. Muzaffar Nagar.
(Transferor)

(2) S/Shri Ratan and Mithan Singh and Kiranpal Singh
S/o Mukhtya Singh and
Satya Bir Singh S/o Birbal Singh
Mst. Rajkali W/o Shri Satya Bir Singh
N. Baral Vill. Khedi Saraj T. Jansath
Distt. Muzaffar Nagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Khedi Saraj Distt. Muzaffar Nagar transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which is Rs. 65,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. Acq./132/Hathras/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 15-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Harpyari widow of Shri Pokhpal,
R/o Elan Vill. Parg & Teh. Hathras,
Post : Khas, Distt. Aligarh.

(Transferor)

- (2) S. Shri Mohan Singh, Lal Singh, Megh Singh and Janak Singh sons of Shri Lila Dhar.
R/o Godha, Post : Khas, Teh. Kol,
Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Elan Parg. & Teh Hathras Distt. Aligarh, transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the market value which is at Rs 71,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-2-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th February 1979

Ref. No. 574-A/DON/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 2-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ded Raj son of Sri Mani Lal and Smt. Chandra Kanta w/o Sri Ded Raj R/o 211 Lania Mohalla, Dehradun;

(Transferor)

- (2) Shri Surendra Kumar S/o Sri Arjun Dass Matta R/o 2 Astlay Hall, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at No. 2 Astlay Hall, Dehradun sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 101,400/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Narmada Bai w/o Sri Tokar Ji Bhai
R/o Narmada Bhawan, Rai Bahadur Jassaram Road
Haridwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jauhari Lal S/o Sri Brij Lal
R/o Laxmi Niwas, Rai Bahadur Jassaram Road,
Srawannath Nagar, Haridwar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th February 1979

Ref. No. 598-A/Haridwar/78-79.—Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haridwar on 6-7-78

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—496GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Jassaram Road, Haridwar sold for an apparent consideration of Rs. 138,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 1,88,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th February 1979

Ref. No. 558-A/Kanpur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 11-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdev Singh s/o Sri Mahavir Singh
R/o Dhamna Majra Maharajpur Parg. &
Distt. Kanpur. (Transferor)
- (2) S/Shri Babu Ram Autar, Sri Satya Pal
sons of Sri Roshan Lal,
Smt. Buduwanti w/o Sri Roshan Lal
R/o Herjendra Nagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 99 situated at Maharajpur Parg & Distt. Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 152,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-2-1979
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th February 1979

Ref. No. 646 A/Haridwar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 17-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Shri Jagdamba Prasad, Narain Singh Pissar Mutwas Maharani Jagdamba Devi w/o Late Maharaja Sir Pratap Narain Singh K.C.I.E.
r/o Rajadalan Ayoahya, Parg. Develi Awadh Tah. and Distt. Faizabad.

(Transferor)

(2) Shri Chandi Prasad s/o Pandit Khushi Ram and Ganga Prasad s/o Sri Chandi Prasad
R/o Vishnu Ghat Haridwar Parg. Jwalapur Tah. Roorkee Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Vishnu Ghat, Haridwar, sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 1,22,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 8-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th February 1979

Ref. No. 441-A/Meerut/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 5-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dhoopkali w/o Sri Prem Raj
Brahampuri Hall, Sabzimandi, Ghantaghar near
Ambala Talkies, Delhi-Meerut.
(Transferor)
- (2) Shri Mool Chand Sharma s/o Ramnath Sharma
R/o 1619/28 Navin Shahadara, Delhi
C/o Allahabad Bank, Timanpur, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House property No. 581 Hal 573 Bramhapuri Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 80,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 117,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 8-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

- (1) S/Shri Sahadev Singh, Chowdhary Ishwari Prasad
R/o Kasba Phalabada Pargana Hastinapur Tah.
Mawana. Meerut.

(Transferor)

- (2) S/Shri Narain Singh, Chowdhary Shashiram
R/o Vill. Bhu-garhi Majara Jani Khurd Parg.
and Tahsil Meerut now Kasba Phalavada Parg.
Hastinapur Tahsil Mawana, Distt. Meerut.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 3rd February 1979

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Ref. No. 554-A/Mrt/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Mawana on 18-7-78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 1923 situated at village Phalavada
Pargana Hastinapur Distt. Meerut sold for an apparent con-
sideration of Rs. 92,000/- the fair market value of which
has been determined at Rs. 120,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-2-1979
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th February 1979

Ref. No. 160/Acq/Rath/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rath, Hamirpur on 8-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chimadhar s/o Gangadhar
R/o village Ujneh Post, Dargwan Parg and
Tah. Rath Distt. Hamirpur.

(Transferor)

(2) Shri Drogpal Khemchand sons of Sripat,
Pyare Lal, Shiyopal s/o Badli Prasad
R/o Village Athgav Post Dhagwan Parg. & Tah.
Rath, Hamirpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 131 situated at Ujneh Parg. and Tah. Rath, Distt. Hamirpur sold for an apparent consideration of Rs. 22,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 95,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th February 1979

Ref. No. 185/Acq/Rath/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rath, Hamirpur on 26-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sarju Prasad s/o Sunder Lal
R/o Itayal Post Amgav Parg. and Tah. Rath
Distt. Hamirpur. (Transferor)(2) S/Shri Shivram Singh. Gur Prasad
S/o Laxman Singh
Brijendra Singh minor under guardianship of
Laxman Singh.
Kalloo Singh minor son of Sri Bhola Singh
S/o Daya Ram
R/o vill Kacho. Rath. Mohal Chaubdaha Parg &
Tah. Rath, Distt. Hamirpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1.49 bigha situated at vill. Itayal Parg. & Tah. Rath Distt. Hamirpur sold for an apparent consideration of Rs. 20,7000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 136,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, KanpurDate : 13-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th February 1979

Ref. No. AMB/3/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Kothi No. 85 situated at Durrand Road, Ambala Cantt (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amrit Lal Sarin
s/o Shri Rai Sahib Mohan Lall Sarin
c/o Glaxo Laboratory, Mathura Road,
Koikola, Delhi.
- (2) Smt. Neelam Sarin
w/o Shri Sukhdev Ram Sarin
100, The Mall, Ambala Cantt.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Kothi No. 85 with six servant quarters situated at Durrand Road, Ambala Cantt and as described in sale deed No. 984 dated 20-6-1978 and registered in the office of the Registering authority, Ambala.

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-2-1979

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th February 1979

Ref. No. SNP/7/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 34-L, Model Town situated at Sonapat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sonapat in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—496GI/78

(1) Shri Sudarshan Lal s/o
Shri Rajinder Shah, alias Jinde Shah
Commission Agent, Old Subzi Mandi,
Sonapat.

(Transferor)

(2) Smt. Anguri Devi wd/o
Shri Raghbir Singh
H. No. 34-L, Model Town,
Sonapat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing House No. 34-L, Model Town, Sonapat and as mentioned in the sale deed No. 1960 of July, 1978 registered with the Sub-Registrar, Sonapat.

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th December 1978

Ref. No. 3-48/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land and house No. 172-D, Newada, 17-B, Hastings Road, Allahabad situated at Allahabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 6-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Probha Shome, Sri Subroto Shome and Sri Sushanta Shome.

(Transferor)

(2) Shri Jyant Sarma,

(Transferee)

(3) Sri Paresh Nath Sarma,

(Person in occupation of the property)

Objections if, any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land and house property situate at plot No. 23 at Nasibpur Bakhtiyara, Tehsil Chhail, Distt. Allahabad including house No. 172-D, situate at Newada, 17-B, Hastings Road, Allahabad admeasuring 900-11 sqm. land and cottage on 214.66 sqm. situate at Allahabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and from 37-G No. 1428 duly registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad on 6-6-78.

AMAR SINGH BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 14-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW*

Lucknow, the 7th February 1979

Ref. No. N-27/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

291/1-2 situated at Mohalla Badli Katra, Mirzapur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mirzapur on 30-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ganga Devi

(Transferor)

(2) Shri Narain Dass & Shri Bhagwan Dass

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 291/1-2 situate at Mohalla Badli Katra, Mirzapur City and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 2670 duly registered on 30-6-1978 at the office of the Sub-Registrar, Mirzapur.

AMAR SINGH BISEN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Narain Dass Sindhi &
Smt. Kaushaliya

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hira Nand, Dev Kishan & Ghanshyam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 31-H/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 289/181 situated at Moti Nagar, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Lucknow on 8-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house No. 289/181 situate at Moti Nagar, Lucknow and
all that description of the property which is mentioned in the
sale-deed and form 37-G No. 2916 duly registered at the office
of the Sub-Registrar Lucknow on 8-6-1978.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-2-1979
Sd :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1979

Ref. No. P-69/Acq.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. B. No. 262 situated at Mohalla Diwan Bazar, Gorakhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gorakhpur on 7-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Shivgovind Sharan, Hargovind Sharan and Smt. Shivpati Kunwari.
(Transferor)
- (2) Shri Prabhawati Mall
(Transferee)
- (3) Transferor
(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. M.B. 262 measuring 4000 sqr. fts. situate at Mohalla Diwan Bazar, District Gorakhpur and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 4390 duly registered on 7-6-1978 at the office of the Sub-Registrar, Gorakhpur.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Ammu Haji (2) Nabeesa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. K. Nanu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682016, the 23rd October 1978

Ref. L.C. 250/78-79.—Whereas, I, V. MOHAN LAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Chavakkad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottappady on 12-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.22 acres of land with buildings vide document No. 604/78 of S.R.O. Kottappady.

V. MOHAN LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 23-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri K. S. Krishna Iyer

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. C. M. Suharabi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682016, the 8th November 1978

Ref. L.C. 259/78-79.—Whereas, I. V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Orumanayoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chavakkad on 20-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

82 cents of land vide schedule attached to document No. 806/78 of SRO, Chavakkad.

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri K. S. Krishna Iyer,

(Transferor)

(2) Sri P. K. Noorudhin

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th November 1978

Ref. L.C. 260/78-79.—Whereas, I, V. MOHAN LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Orumanayoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chavakkad on 8-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

79 cents of land vide schedule attached to document No. 772/78 of SRO, Chavakkad.

V. MOHAN LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-11-1978
Seal :

FORM IINS

(1) Mangaladevi Amma & others,
"Sarojam", Divan Narayana Menon Road, Trichur-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. P. Ravindran,
"Sangeet", Near H. No. 27/135,
Divan Narayana Menon Road, Trichur-1.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ANIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 16th November 1978

Ref. No. I.C. 266/78-79.—Whereas, I, K. Narayana Menon being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichur on 16-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21—496GI/78

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings as per schedule attached to document No. 2687 of SRO, Trichur.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 16-11-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, ANIPARAMBIL BUILDINGS
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-68216, the 20th November 1978

Ref. L.C. 269/78-79.—Whereas, I. K. Narayana Menon
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing

Sr. No. as per schedule situated at Trichur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Trichur on 14-6-1978

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

(1) Shri K. Narayanan, Plot No. 7991,
"Sree Lakshmi Nivas", Anna Nagar,
Madras-40.

(Transferor)

(2) Smt. Chandra Balakrishnan, W/o K. Balakrishnan,
Managing Editor & Proprietor, "Express" Malayalam
Daily, Trichur-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

60 cents of land with building vide document No. 2713/78
of SRO, Trichur.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ennakulam

Date : 20-11-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) K. B. G. Rao Estate (HUF),
Represented by Shri K. B. Govinda Rao,
3/647B, Gandhi Road, Calicut I.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 5th February 1979

Ref. No. L.C. 287/78-79.—Whereas, I,
K. NARAYANA MENON,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Calicut
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Kozhikode on 29-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(2) Shri K. Moosa Haji,
S/o Kunhiath,
Meethale Kannanankudiyil House,
P.O. Cheruparamba,
Via. Thuvakunnu, Cannanore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st right over the first and second floor of the building as
per schedule attached to document No. 580/78 of SRO,
Kozhikode.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 5-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Madhusudan D. Sethna, (2) Bharatkumar S. Shethia (3) Surendra D. Seth.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Green Ladiwala Co-op. Apartments Co-op. Housing Soc. Ltd.
(Transferee)

- (3) Members of the Society.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 19th December 1978

Ref. No. AR-1/3063-11/May-78.—Whereas, I V. S. Sheshadri

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 184, 185 & 186 of Malabar & Cumballa Hill Divn. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered deed No. 2872/Bom/72/Bom and registered on 27-6-1978 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SHESHADRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Bombay.

Date : 19-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1979

Ref. No. P. R. No. Acq. 23-1-1779(778)/12-2/77-78.—

Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 11, situated at Nagrik Society, Vijaya Nagar Area, Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 5-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Ratnakar Jadavray Dholakia, P.A. Holder of Dr. Rajendrakumar Prataprai Dholakia, Nagrik Society, Bhuj.

(Transferor)

- (2) Shri Umedlal Maganlal P.A. Holder of Shri Maganlal Parshottam Bajania.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 500 sq. yds, bearing Plot No. 11, M. No. 10/7/32 situated at Nagrik Society, Vijaya Nagar Area Bhuj and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 804 dated 5-6-1978.

S. C. PARIKH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax

Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 9-2-1979

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Zinabhai Anandbhai Kacha;
Ramnagar, Main Road, Gondal Road,
Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Maganlal Kalyanbhai Sheth;
Shramjivi Society Marg No. 6,
Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th February 1979

Ref. No. P. R. No. Acq. 23-I-1784(782)/16-6/77-78. --

Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 154 situated at Shramjivi Coop. Housing Society, Street No. 6, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 9-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storied building known as "GOKUL NIWAS" standing on land admeasuring 300.00 sq. yds. bearing Plot No. 154, situated at Shramjivi Coop. Housing Society, Street No. 6, Rajkot.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 12th Feb., 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-1

Bangalore, the 25th November 1978

C.R. No. 62/19382/78-79. Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/A and 1/A-1, First Main road, situated at Srikanta layout, Bangalore-56.0001 (site No. 19 originally) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Gandhinagar, Bangalore Doc No. 944/78-79 on 19-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Saraswathi Shantha Ramakrishnan, w/o Shri S. Ramakrishnan, 1/A, Srikanta layout, Bangalore.
(Transferor)

(2) 1. Mr. K. Venkatesh Nayak s/o K. Madhava Nayak.
2. Mr. K. Pundalik Nayak } Children of Sri
3. Mr. K. Panduranga Nayak } K. V. Nayak,
4. Mr. K. Harish }
All are residing at 1/A and 1/A-1, First Main road, Srikanta layout, Bangalore 560001.

(Transferee)

(3) M/s. Devangere Sugar Mills Ltd., First floor, 1/A and 1/A-1, First main road, Srikanta layout, Bangalore-560001.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 944/78-79 dated 19-6-78.
Property bearing No. 1/A and 1/A-1, First Main road, Srikanta layout, Bangalore-560001 (site No. 19 originally division No. 44).

Boundaries :

E.—Crescent road.
W.—Site No. 19/A.
N.—50' road and
S.—Channa Basanagovde's property.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 12th December 1978

C. R. No. 62/19433/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant site No. 716, situated at Binnamangala Layout, 1st Stage, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 922/78-79 on 30-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ziaulla Maccai,
S/o Sri Arifulla Maccai,
No. 49, Khazi Street, Basavanagudi,
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shrimati Saswati Paul,
W/o Sri Shankar Paul,
No. 1/18, Ulsoor Road,
Hanumantha Layout,
Bangalore-56.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 922/78-79 Dated 30-6-78]
Vacant site bearing No. 716, Binnamangala 1st Stage,
Bangalore City.

Boundries :

East—Site No. 717
South—Site No. 715
West—Road
North—Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. Shashikar,
S/o Late P. Suryanarayana Setty,
No. 370, Palace Upper Orchards,
Bangalore-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 6th January 1979

C. R. No. 62/19183/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 507, situated at 45th Cross, 5th Block, Jayanagar, Extn., Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Document No. 670/78-79 on 8-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
22—496GI/78

(2) Shrimati Ansu Ashok Amin,
W/o Sri Ashok B. Amin,
No. 196, 38th Cross, 5th Block,
Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 670/78-79 dated 8-6-78]
Vacant site measuring 507.78 Sq. metres bearing No. 507 situated in 45th Cross, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-11.
Boundries :
East—Site No. 506
West—Site No. 510
North—45th Cross Road and
South—Site No. 508

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 6-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 6th January 1979

C. R. No. 62/19400/78-79/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mercara, Document No. 416/78-79 on 30-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :

- (1) (1) Sri C. V. Sadashiva Rao, S/o Late C. N. Venkappaya
- (2) Sri C. V. Shankar
- (3) Smt. C. S. Kaveriamma, W/o Late Sri C. V. Srinivasa Rao
- (4) Sri C. S. Dhananjaya represented by mother Smt. S. S. Kaveriamma, All residing at School Road, Madikeri, Kodagu District.
- (5) Yamuna S. Rao now known as Yamuna N. Kodekadi, D/o Sri C. S. Srinivasa Rao and W/o Sri N. Kodekadi represented by acting Holder Smt. C. S. Kaveriamma, School Road, Madikeri, Kodagu District.
- (6) Smt. Gayathri Shashidhar, W/o Sri K. G. Shashidhar, No. 13, Pottery Road, Richards Town, Bangalore—Acting holder Smt. C. S. Kaveriamma, School Road, Madikeri, Coorg Dist.

(Transferors)

- (2) Smt. C. A. Ponnamma, W/o Sri C. V. Shankar, Syndicate Bank, Madikeri, Kodagu Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 416/78-79 Dated 30-6-1978)

All that piece and parcel of land comprising one acre out of the site and the vacant land bearing survey No. 9 of 1.61 acres together with a tiled roofed building with a plinth area of 1800 sqft. in Block No. 18, Madikeri Town Municipality, Madikeri Taluk, Kodagu District

Boundaries :

East=The remaining portion of Survey No. 9 and lands in Survey No. 13/1, 13/2 and 14.
West=Lands bearing Survey No. 515/3 and 18/4.
North=Lands bearing Survey Nos. 10/514, 515/3 and 9/4
South=Land bearing Survey No. 18/4.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 6-1-1979

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 8th January 1979

C. R. No. 62/19179/78-79/Acq./B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 692/A.T.S. No. 106, A, situated at Thishileswara Ward, Thishileswara Temple Road, Kasaba Bazar village, Mangalore I (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Document No. 216/78-79 on 7-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri K. Devadas Kamath s/o R. Ramaraya Kamath, Thishileswar Temple Road, Mangalore City.
(Transferor)
- (2) Sri P. Subraya Kamath, s/o P. Vittala Kamath Chamber Road, Golikatta Bazar, Mangalore.
(Transferee)
- (3) 1. Shri Venkatesh Prabhu Thishileswara
2. Shri Krishna Mallaya ward Thishileswara
3. Shri Matti Krishna Prabhu, Thishileswara Temple Road,
4. Shri Vasudeva Pai, Mangalore-1,
6. Shri Srinivas Prabhu,
7. Smt. Radha Bai,
8. Smt. Lalitha Bai.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 216/78-79 dated 7-6-78).

All that piece and parcel of house property situated in Survey No. R.S. No. 692/A.T. No. 106/A in Thishileswara ward, Thishileswara Temple road, Kasaba Bazaar village, Mangalore-575001.

Boundaries :

East—Properties on R.S. No. 103 and 108
West—Thishileswara temple road,
North—Private property on R.S. No. 104/A.
South—Property on R.S. No. 107.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 9th January 1979

C. R. No. 62/19188/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New 37 and Old 51, situated at Lingarajapuram, Ashoka Road, St. Thomas Town, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 756/78-79 on 9-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Eugene Peter Bird,
S/o H. R. Bird,
37, Ashoka Road,
St. Thomas Town,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati Najmunnisa (Najma)
W/o Akber Ali Khan
11/1, Bore Bank Road,
Benson Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 756/78-79 Dated 9-6-78]

All that piece and parcel of land together with building in Survey No. 11, Lingarajapuram, New No. 37 (old No. 50) Ashoka Road, St. Thomas Town, Bangalore, (49th Division).

Boundaries :

East—Ashoka Road
West—Maternity Home etc.
North—Miss. A. C. D'Silva's house and
South—No. 1, Hennur Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 9th January 1979

C. R. No. 62/19194/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 (old No. 631), situated at 17th A Cross, 10th A Main, Malleswaram, Bangalore-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Document No. 1152/78-79 on 19-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. S. Venkatachalam,
No. 193, 14th Main Road,
Vasanthnagar, Bangalore-52.

(Transferor)

(2) Shri K. Ranganathan,
No. 296, 16th Cross,
Sadashivanagar, Bangalore-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1152/78-79, Dated 19-6-78]

House property No. 15 (old No. 631) in 17th A Cross, 10th A Main, Malleswaram, Bangalore-3.

Boundaries :

East=10th A Main,
West=House of Shri M. R. Subba Rao,
North=Building No. 460/3,
South=17th A Cross.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 9th January 1979

C. R. No. 62/19430/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New No. 22 and Old No. 96/2, situated at Anjaneya Temple Street, VI Cross, Austin Town, Bangalore-7 (Division No. 61)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 906/78-79 on 28-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Rina Sankar (formerly Mrs. Rina)
No. 14, 27/3, Nahar, Juhu Road,
Bombay-400 054,

(Transferor)

(2) Mrs. Maureen Noronha,
2, Mr. Noel De Nazareth,
No. 22, Castle Street,
Bangalore-47,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 906/78-79 Dated 28-6-78]

All that piece and parcel of land together with residential house bearing No. 96/2 old and New No. 22, in Anjaneya Temple Street, VIth Cross, Austin Town, Bangalore-560007.

Boundaries :

East=Building site No. 3,
West=Building site No. 1,
North=Anjaneya Temple St.
South=Premises No. 2

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-1-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-1, the 8th January 1979

C. R. No. 62/19203/78-79/Acq. (B).—Whereas, I, P.
RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Bangalorebeing the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearingS. No. 38/2, subsequently numbered as 130/2, 130/3 &
130/4 situated at Chikkahalli Village, Varuna Hobli,
Mysore Taluk(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Mysore Taluk—Document No. 466/78-79 on 22-6-78
for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

- (1) Shri M. Mallappa,
-
- S/o Mallappa,
-
- Chikkahalli Village,
-
- Mysore Taluk.

(Transferor)

- (2) S/Shri
-
1. M. Thyagaraj
-
2. M. Venkatesha Gowda
-
3. M. Rajashekara Gowda
-
4. M. Prasanna Kumar
-
- Residents of Thumkexlevanahalli, Belur Taluk,
-
- Hassan Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
-
- of 45 days from the date of publication of this
-
- notice in the Official Gazette or a period of 30
-
- days from the service of notice on the respective
-
- persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immo-
-
- vable property, within 45 days from the date of
-
- the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 466/78-79 Dated 22-6-78)

All that piece and parcel of land and buildings in S. No.
38/2 subsequently numbered as VPC No. 130/2, 130/3 and
130/4 of Chikkahalli Village, Varuna Hobli, Mysore Taluk.P, RANGANATHAN
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-1-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 9th January 1979

C. R. No. 62/20367/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore SFN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 284 situated at 36th Cross, VII Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar Bangalore Document No. 1026/78-79 on 28-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri B. V. Venkatappa,
No. 174, 2nd C. Main road,
6th Block (Yediyur),
Bangalore-4. (Transferor)
- (2) Smt. K. Vimalamma,
w/o Sri K. N. Sudarshan,
Residing at premises of Rameswara Temple,
III Main road, Chamrajpet, Bangalore. (Transferee)
- (3) (1) Sri V. S. Ajantha s/o V. Vasudevamurthy,
284(4) Down stairs, 36th cross, 7th Block,
Jayanagar Extn. Bangalore.
(2) Sri C. N. Chandrashekar s/o Sri C. Narayana
Iyer, No. 284(4), 7th Block, Jayanagar, Extn.
Bangalore. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1026/78-79 Dated 28-6-78]

House building bearing No. 284, situated in 36th Cross, VII Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Boundaries :

East by site No. 285.
West by site No. 283.
North by site No. 279.
South by 36th cross road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-1-1979
Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-1, the 12th January 1979

C. R. No. 62/18796/78-79/Acq./B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 36 and 37 situated at Basavanna Lane, Kavadi Revanna Shetty pet, Bangalore-2 (Division No. 42)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 807/78-79 on 8-6-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—496GI/78

(1) (1) Sri R. Basappa.
(2) Smt. Gangamma,
(3) Sri B. Bharath.
All residing at No. 37, Basavanna Lane,
Kavadi Revanna Setty Pet, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) Shri S. Narasimhaian,
S/o Pobathi Siddalingappa,
No. 22, Pattabi Ramashastry Lane,
Nagarthpet, Cross,
Bangalore-2.

(Transferee)

(3) (1) Sri Mahendra Kumar
(2) Sri J. Nagendra
(3) Smt. Kamalamma

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 807/78-79 dated 8-6-1978)
House property bearing No. 36 and 37 situated in
Basavanna Lane, Kavadi Revanna Setty Pet, Bangalore-2
(Division No. 42).

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-1-1979
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 11th January 1979

C. R. No. 62/20394/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Survey No. 94, 95 and 96 situated at Kodihalli Village, HAL II Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 1181/78-79 on 2-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Sundara Murthy,
Shri S. Shanmugam,
S/o Late S. V. Subramanian,
No. 23, Mahatma Gandhi Road,
Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) M/s. Metal Lamp Caps (India) Ltd
No. 2, Murphy Road, Ulsoor,
Bangalore-560008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1181/78-79 Dated 2-8-1978]

Land in Survey No. 94, 95 and 96 measuring 14061 sq. meters together with 212 square metres house in Kodihalli Village, H.A.L. IIInd Stage, Bangalore.

Boundaries :

East—Proposed 80' Road,

West—Survey No. 93,

North—CITB land.

South—Metal Lamp Caps (India) Ltd. lands.

P. RANGANATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 11.1.1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/112.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ho. No. 1379/11, situated at Katra Ahluwalia Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar City on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamla Wati wd/o Shri Lal Chand and others Katra Ahluwalia, Amritsar. Kewal Kanna, Sudeshan, Janak Raj, Pomila.
- (2) Shri Jagan Nath Mehra s/o Dev Raj Mehra, 376 Batala Road, Amritsar.
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 1379/11, Katra Ahluwalia, Amritsar as mentioned in the Regd. deed No. 838 dated 5-6-78 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/113.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 435A Green Avenue, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Surjit Kaur wd/o Harbans Singh,
Green Avenue, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Hans Raj s/o Shri Dharam Dev
R/o Chowk Karmo Deori, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 435A, Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 918 Dated 9-6-78 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/114.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot of land Khasra Nos. 1340, 1343, 1344, Sultanwind Road, Asr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the concealment of any income or any to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) M/s. Puran & Sons through Sarabjit Singh s/o S. Puran Singh and Smt. Kuldip Kaur wd/o Sh. Joginder Singh.

(Transferor)

- (2) M/s. K. B. Machine Factory, Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1125 sq. yds. situated at Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 889 dated 8-6-78 of Registering Authority Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1979

Ref. No. BBL/78-79/115.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land, 31K-17M 1/6 share of 190 H—19 M Jhata 2-0 1/2 share of 6.0 at Kila Desa Singh including room Teh. Batala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Batala on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foreshadowed exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Buta Singh s/o Maksudan Singh,
Village Desa Singh, Teh. Batala,
Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Balwant Singh,
2. Shri Birjinder Pal Singh ss/o Shri Harbans Singh
Village Talwandi Bhath, Teh. Batala
Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any,
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 63 K-13 M 1/3 share of land, 190 K-19 M at Kila Desa Singh 320 Tehsil Batala Distt Gsp. as mentioned in the Regd. Deed No. 2858 of June, 1978 of Registering Authority Batala Teh. and Distt. Amritsar.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1979

Ref. No. BTI /78-79/116.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agril Land situated at Kila Desa Singh including room. Teh. Batala Distt. Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Batala on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Buta Singh s/o Maksudan Singh,
Village Desa Singh, Teh. Batala,
Distt. Gurdaspur. (Transferor)
- (2) Sh. Surinder Pal Singh s/o Harbans Singh
Village Talwandi Bhoroth.
Tehsil Batala through Harbans Singh father. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 31 K—17 M 1/6 share of 190 K—19 M and Jhata 2 K—OM 1/3 share of 6 K—OM at Kila Desa Singh, including room as mentioned in the Registered Deed No. 2948 of June, 1978 of Registering Authority Batala Tehsil and District Gurdaspur.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR,
SARAF CEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 15th December 1978

No. IAC/ACQ/86/78-79.—Whereas, I, V. R. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Malik Makbuja Plot 100' × 112'—6" With Building M. H. No. 1094 (Old) M. H. No. 285 (New) situated at Dharampeth, Nagpur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. V. Mirashi, Principal,
Govt. Arts & Science College,
Aurangabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kushal W/o Mohindra Bose
Khare Town, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Malik Makbuja plot 100' × 112'—6" (11,250 sq. ft) With Building there on 3482.77 Sq. ft. having Municipal House No. 1094 (Old) and M. H. No. 285 (New) at Circle No. 20 Divn. No. 8 Dharampeth N.I.T. Plan Block D; plot No. 2 (S. K. Buty's layout) Nagpur.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 15-12-1978
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE R-I, CALCUTTA

Calcutta, the 28th December 1978

Ref. No. Sl. 473/TR-459/C-410/Cal-2/78-79.—Whereas, J. I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 159 situated at Park Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sealdah, Calcutta on 30-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24-496GI78

- (1) Miss Renu Biswas,
159 Park St., Calcutta-17.

(Transferor)

- (2) (1) Shahjada Parvez,
(2) Tarique Mohnmood
(3) Talat Mahmood
(4) Tahir Mahmood
(5) Talal Mahmood
all of 2 Peter Lane, Calcutta-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two-storeyed building situated on 6 Kottas 8 Chittacks 13 sft. of land at premises No. 159 Park Street, Calcutta, and registered with Sub-registrar of assurances, Sealdah, Calcutta under deed No. 712 dated 30-6-78.

J. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 28-12-78
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes (P.) Ltd.,
6, Harrington Street, Calcutta-16.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Smt. Chhabi Mitra
2. Sri Ranjit Mr. Mitra &
3. Smt. Basanti Ghosh
all of 22/6, Monoharpukur Road, Calcutta

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
54 RAFI AHMED KIWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd January 1979

Ref. No. 434/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Flat D on 1st floor situated at 2, Mandeville Gardens,
Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 29-6-1978
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. D on the 1st floor of the building
named 'Jay Jayanti' situated at 2, Mandeville Gardens,
Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, (3rd floor)
Calcutta-16

Date : 3-1-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III.

54 RAFI AHMED KIWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd January 1979

Ref. No. 433/Acq. R-III/78-79/Cul.—Whereas, I, Vaskar Sen being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat-A on 7th floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Saloni Ownership Flats Scheme (P.) Ltd.,
6, Harrington Street, Calcutta-16.
(Transferor)
- (2) Smt. Aruna Roy
1A, Silpi Nitai Pal Lane,
Calcutta-5.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. A on the 7th floor of the building named 'Jay Jayanti' situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, (3rd floor)
Calcutta-16

Date : 3-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd January 1979

Ref. No. 435/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, Vaskar Sen

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat F on the 6th floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the consideration for such transfer as agreed to between the parties per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes (P.) Ltd.,
6, Harrington Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Smt. Kanika Saha
225B, Rash Behari Avenue,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. F on the 6th floor of the building named 'Jay Jayanti' situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, (3rd floor)
Calcutta-16

Date : 3-1-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 12th January 1978

Ref. No. AC-37/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Mouza Shampa Nirjanagar P. S. Maheshtala, Dt. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar of Alipore, Behala on 30-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Rajendra Prosad Sanghanaria &
(2) Sri Lalit Mohan Sanghanaria, both sons of Late Brij Mohan Sanghanaria,
(3) Sm. Narvada Devi, wife of Late Brij Mohan Sanghanaria, partners of Sanghanaria, Enterprise of 3B, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-13.

(Transferor)

- (2) M/s. Brij Steel Industries (P) Ltd., 3B, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Cal-13.
(3) Vendee

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An area of 1.13 acres of land comprised within Dag Nos. 267, 268, 269 and 282 appertaining to Khatian Nos. 315, 301 and 353 of Mouza Shampa Nirjanagar, P. S. Maheshtala, Dt. 24-Parganas.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-55,

Date : 12-1-1979
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Smt. Arpita Mitra, Wife of Sri Santanu Mitra, 18/2, Ballygunj Circular Rd. Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dinabandhu Mondal, son of Sudhir Kumar Mondal, 93/3A, Acharya Prafulla Ch. Dd., Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 12th January 1978

Ref. No. AC-38/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7A, situated at Belvedere Road, Calcutta

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 2-6-1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property,

and I have reason to believe that the fair market value of

the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of land with garage at No. 7A, Belvedere Road, Alipore, Calcutta, measuring 3-cuttahs more or less, P. S. Alipore, Dt. 24-Parganas.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-55,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 12-1-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Amita Roy 26B, Kalidas Singhee Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Sipra Bhattacharjee 8/C, Biplabi Pulin Das Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta-16. 17th January 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 441/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 8/C situated at Biplabi Pulin Das Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring one cottah 8 chittacks 21 sq. ft. together with the building erected thereon at premises No. 8/C, Biplabi Pulin Das Street, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1979
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Saileswar Chatterjee 9, Panchanantola Lane, Behala Calcutta-34.

(Transferor)

(2) S/Sri Bimalendu Ghosh & Amalendu Ghosh, 9, Panchanantola Lane, Behala, Calcutta-34.

(Transferee)

(3) Vendees

(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1978

Ref. No. AC-41/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

9, situated at Panchanantola Lane, Behala, Calcutta-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub Registrar, Alipore Sadar on 7-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of an undivided land measuring 2-cottahs, & 13-chittaks together with a building, being premises No. 9, Panchanantola Lane, Behala, Calcutta-34.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16,Date : 18-1-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 12th January 1978

(1) M/s. Pranav Investment (MP) Co. Ltd., New Buildings, New Pul Patra, Barkheria Road, Bhopal, M.P.
(Transferor)

(2) Shri Rabindra Nath Missra
Nutan Para, Jalpaiguri.
(Transferee)

* (3) Vendee
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. AC-42/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 18K, situated at Alipore Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 1-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
25—496GI/78

THE SCHEDULE

Land measuring 6.0250 cottahs being premises No. 18K, Alipore Road, Calcutta (formerly premises No. 18-B, Alipore Road).

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-55,

Date : 12-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 6th February 1979

Ref. No. SJ.447/TR-483/C-436/Cal-2/78-79.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3 situated at Orient Row, Calcutta-17.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, Cal. on 21-6-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Manjula Bose

(Transferor)

(2) Shrimati Manashi Roy Chowdhury

(Transferee)

(3) Nirlon Synthetic Co.

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 450 Sft. being portion of undivided land measuring 3 k-2Ch. along with two storied building situated thereon at 3, Orient Row, Cal-17 and registered with the Sub-Registrar, Sealdah under Deed No. 1-3484 on 21-6-78.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I

Date : 6th February 1979
Seal :

FORM ITNS—

Sri Hemendra Chandra Majumder

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

Sri Ajit Kumar Paul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-IV

Calcutta, the 6th February 1979

Ref. No. AC-52/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

77, situated at Station Road, Burdwan, Dist. Burdwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 20-6-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2.42 cottahs together with building situated at 77, Station Road, Burdwan Dist. Burdwan more particularly as per deed no. 3597 of 1978.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 6th February 1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD,
ROHTAK

Rohtak, the 3rd March 1979

Ref. No. BDR/3/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 17714 Sq. yards situated at Bahadurgarh-Najafgarh Road, Bahadurgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bahadurgarh in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sita Ram s/o
Shri Munna Lal
Bahadurgarh, Distt. Rohtak.

(Transferor)

(2) M/s Indian Magsee Alloys Pvt. Ltd.
5-49, Rajauri Garden,
New Delhi-110027.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being a piece of land measuring 17714 sq. yards situated on Bahadurgarh-Najafgarh Road, Bahadurgarh (Khasra Nos. 1236/2, 1237 and 1242) and as mentioned in the sale deed registered at No. 421 dated 26-8-78 with the Sub-Registrar, Bahadurgarh.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD,
ROHTAK

Rohtak, the 5th March, 1979

Ref. No. BGR/8/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 61 kanal 5 Marla situated at Sarai Khawaja, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Hari Ram s/o Shri Jiwna
2. Shri Budha s/o Shri Cheta.
3. Shri Lal Singh s/o Shri Khema,
4. S/Shri Rup Singh, Durga
ss/o Shri Girdhari.
5. Smt. Gyosi d/o Shri Girdhari.
6. Shri Bhima s/o Shri Jiwan Dass.
7. S/Shri Nihal Singh, Siri Chand
ss/o Shri Kalu.
8. Sh. Hansa s/o Shri Ram Sarup.
9. S/Shri Kewal, Haria, Har Sarup, Mam Chand
sons & Shrimati Amma wd.
10. Smt. Chandro d/o Shri Sukh Dev
all residents of Sarai Khawaja,
Teh. Ballabgarh.
(Transferors)
- (2) M/s Khosla Foundry (P) Ltd.
1, Desh Bandhu Gupta Road,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 61 kanal 5 marlas situated at Sarai Khawaja, Faridabad and as mentioned in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ballabgarh at No. 1798 dated 15-6-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 5-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD,
ROHTAK

Rohtak, the 5th March 1979

Ref. No. BGR/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 61 kanal 5 marla situated at Sarai Khawaja, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Khemka s/o Shri Jiwna.
2. Shri Budh Singh s/o Cheta.
3. Smt. Champi d/o Shri Cheta.
4. Smt. Som Wati d/o Shri Cheta.
5. S/Shri Rup Singh, Durga ss/o Shri Girdhari.
6. Sh. Med Singh s/o Shri Heta.
7. Sh. Mangat S/o Shri Bhima residents of Sari Khawaja, Faridabad.
(Transferors)
- (2) M/s. Khosla Foundry Pvt. Ltd.
1, Deshbandhu Gupta Road,
Paharganj, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 61 kanal 5 marlas situated at Sarai Khawaja, Faridabad and as mentioned in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ballabgarh at No. 1799 dated 15-6-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, RohtakDate : 5-3-1979
Seal :